



सीमा पर शांति जरूरी, मतभेद विवाद में न बदले

पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक में निर्णय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच शनिवार को द्विपक्षीय बैठक हुई। ब्रिक्स शिखर सम्मलेन से इतर हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स में भारत की अध्यक्षता के दौरान समर्थन और सहयोग के लिए चीन का आभार जताया। पीएम मोदी ने शी जिनपिंग का स्वागत करते हुए कहा, आपका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आपकी सकारात्मक बातों के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अब हमारे पास द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने का अवसर है।

वहीं, इस बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने कहा कि चीन और भारत एक-दूसरे की ताकत से सीख सकते हैं और साझा विकास हासिल कर सकते हैं। उन्होंने दोनों



देशों से व्यापक ब्रिक्स सहयोग के उच्च गुणवत्ता वाले विकास के लिए मिलकर काम करने का भी आग्रह किया। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने पीएम मोदी से कहा कि चीन भारत के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखता है। दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक

आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित से निर्देशित होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों के लगातार विकास का एक आवश्यक आधार है। उन्होंने सीमा से जुड़े मुद्दों पर मौजूदा समझौतों और सहमतियों का दोनों पक्षों द्वारा पालन करने की जरूरत पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने राजनीतिक दृष्टिकोण और दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों तथा दोनों देशों की जनता के दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखते हुए सीमा विवाद के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के प्रति प्रतिबद्धता जताई। दोनों नेताओं ने लोगों के बीच संबंधों में हुई प्रगति का संज्ञान लिया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान, कारोबारी संपर्क तथा दोनों

अन्नदाताओं को दी जा रही हैं आवश्यक सुविधाएं : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धरती पुत्र परिश्रम से फसल उगाते हैं, जो सभी को उपलब्ध होता है। अन्नदाता किसानों की समस्याओं को दूर कर उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली प्रवास के दौरान शनिवार को बलराम कृषि महोत्सव छतरपुर में वचुंअल रूप से जुड़कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रगतिशील किसानों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड हीरों की धरती है। यहां की जमीन में हीरा निकलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले में होने वाली पिपरमेंट की खेती का भी जिक्र किया। साथ ही फर्नीचर की क्रांति को बेहतर बताया। छतरपुर जिले के किसानों को रबी सीजन की फसलों की नवीनतम तकनीक, उन्नत कृषि पद्धतियों एवं

आधुनिक कृषि संसाधनों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुए बलराम कृषि महोत्सव के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों ने दीप जलाकर किया। छतरपुर में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, प्रशासक अपेक्स बैंक डॉ. महेन्द्र सिंह यादव, प्रशासक सहकारिता श्री के.पी. सिंह, विधायक राजनगर श्री अरविंद पटेरिया उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई केन-बेतवा लिंक परियोजना की सराहना करते हुए

कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से बुंदेलखंड सहित संबंधित क्षेत्रों के किसानों को सिंचाई का भरपूर लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई की सुविधा बढ़ने से कृषि क्षेत्र को नई गति मिलेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने आल्हा-ऊदल के प्रसंग का उल्लेख करते हुए बुंदेलखंड की वीरता और गौरवशाली परंपरा का वर्णन किया। उन्होंने किसानों एवं उपस्थित लोगों से सामाजिक आयोजनों में अनावश्यक खर्च कम करने तथा सामूहिक विवाह को बढ़ावा देने की अपील की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने कृषि क्षेत्र के नवाचारों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छतरपुर जिले के प्रगतिशील किसान श्री सलीम खान से संवाद किया।



बंगाल सरकार अब छात्रों को मोबाइल के पैसे नहीं देगी, शिक्षा पर खर्च किया जाएगा पिछले साल 15 लाख स्टूडेंट्स पर 1500 करोड़ खर्च हुए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार क्लास 11 और 12 के छात्रों को मोबाइल खरीदने के लिए मिलने वाली 10 हजार की मदद बंद करेगी। मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी ने शनिवार को इसकी घोषणा की। यह एकमुश्त मदद पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार की 'तरुणेस् स्वप्नो' योजना के तहत दी जाती थी। अधिकारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार छात्रों की पढ़ाई के लिए आधुनिक शैक्षणिक ढांचा उपलब्ध कराने पर ज्यादा पैसा खर्च करेगी। उन्होंने साफ कहा, लेकिन हम मोबाइल फोन नहीं देंगे।



अधिकारी ने पिछले हफ्ते शिक्षक दिवस के कार्यक्रम में स्कूलों में मोबाइल फोन पर रोक लगाने के संकेत दिए थे। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए यह बात कही थी। अधिकारी ने तब कहा था, मोबाइल फोन का स्कूली बच्चों पर बहुत

नकारात्मक असर पड़ता है। यह एक कठिन फैसला होगा और इससे मुझे वोटों का नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा था, गुजरात में कक्षा 12 तक के छात्रों के लिए मोबाइल फोन पर रोक है। माता-पिता के सोने के बाद भी छात्र जागते रहते हैं और मोबाइल देखते रहते हैं। उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे कई राज्य छात्रों को मुफ्त स्मार्टफोन, टैबलेट या लैपटॉप खरीदने के लिए आर्थिक मदद दे रहे हैं।

ऋतब्रत बनर्जी का बड़ा एलान, अगर ममता बनर्जी उपचुनाव लड़ेंगी तो हम अपना उम्मीदवार वापस ले लेंगे

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट के नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी ने शनिवार को बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर ममता बनर्जी उपचुनाव लड़ने का फैसला करती हैं, तो वे अपना उम्मीदवार वापस ले लेंगे, क्योंकि वे चाहते हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री विधानसभा में वापस आए। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि गुट ने उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार को लगभग अंतिम रूप दे दिया है, लेकिन अगर ममता बनर्जी स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में भी चुनाव लड़ने का फैसला करती हैं, तो वे अपने उम्मीदवार को वापस ले लेंगे।

भतीजी दीपिका आनंद अब बसपा के मिशन को आगे बढ़ाएंगी : मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रियो मायावती ने एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि अब भाई आनंद कुमार के बेटे नहीं बल्कि उनकी बेटी दीपिका आनंद बसपा के मिशन को आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि अब आनंद के बेटों को कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मेरे लिए बसपा का मिशन सर्वोपरि है लिहाजा अब मेरे भाई आनंद कुमार के बेटे नहीं, बल्कि उनकी पढ़ाई कर रही बेटी दीपिका आनंद पार्टी का कार्य करेंगी। आनंद जरूरत पड़ने पर अपनी जिम्मेदारियां उसे सौंप सकते हैं। मायावती ने कहा कि

आनंद अपने दोनों बेटों को व आगे चलकर उनके युवा बच्चों में से किसी को भी अपनी जिम्मेदारी नहीं सौंपेंगे। बेटी के तैयार नहीं होने पर आम सहमति से पार्टी के दलित वर्ग में से ही अन्य किसी मिशनरी कार्यकर्ता को भी अपनी यह जिम्मेदारी दे सकते हैं। अपने किसी भी बेटे को व उनके बच्चों के बड़े होने पर जिम्मेदारी नहीं सौंपेंगे। यही वर्तमान में समय की जरूरत है व पार्टी के हित में भी है। यह आज मेरा अंतिम फैसला व प्रतिज्ञा है कि आनंद के किसी भी बेटे को बसपा में किसी भी छोटे-बड़े पद पर

आतंक के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ एक्शन

आतंकियों को हथियार-फंडिंग देने का आरोप

लेह। भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों में शामिल और लश्कर-ए-ताइबा के संस्थापक हाफिज सईद के खिलाफ जम्मू की विशेष एनआईए अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी किया है। एनआईए ने अदालत को बताया कि सईद इस समय पाकिस्तान में हैं और गिरफ्तारी से बच रहा है। यह दो महीने में उसके खिलाफ जारी हुआ दूसरा गैर-जमानती वारंट है। एनआईए के मुताबिक सईद पर जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी संगठनों को हथियार, पैसा और निर्देश उपलब्ध कराने का आरोप है। जांच

के दौरान गिरफ्तार किए गए कुछ पाकिस्तानी आतंकियों के सईद से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। यह मामला श्रीनगर के बाहरी इलाके पांदाच में मोहम्मद नकीब भट की गिरफ्तारी से जुड़ा है। तलाशी के दौरान उसके पास से चीन निर्मित एक ग्रेनेड और 15 जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे। इसके बाद हुई जांच में लश्कर-ए-ताइबा और उसके सहयोगी संगठन द रिजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़े कई आतंकियों के साथ दो पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया।

सागर में जहरीली शराब से पंचायत सचिव की मौत

मृतकों की संख्या 33 होने का दावा, प्रशासन के आंकड़े 18

सागर। सागर जिले में जहरीली शराब का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बंडा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुखारी जुजुर्ग में पदस्थ पंचायत सचिव अजय लोधी (30) की शुक्रवार को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) में उपचार के दौरान मौत हो गई। जहरीली शराब पीने के बाद तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पंचायत के अनुसार, पिता गनपत सिंह लोधी के निधन के बाद अजय को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी।

मौत हुई है। करीब एक दर्जन लोग अभी भी बीएमसी के आईसीयू में उपचाराधीन हैं। प्रकरण के तूल पकड़ने के बाद पुलिस और प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। अवैध शराब बनाने का कथित फार्मुला उपलब्ध कराने वाले मुख्य आरोपी स्थानीय स्तर पर जहरीली शराब सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कार्रवाई के दौरान पैर में गोली लगने से घायल रवि लखेरा को उपचार के लिए



अजय लोधी की मौत के बाद स्थानीय स्तर पर जहरीली शराब सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कार्रवाई के दौरान पैर में गोली लगने से घायल रवि लखेरा को उपचार के लिए

बीएमसी में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने अवैध शराब के कारोबार में शामिल आरोपियों और माफियाओं के खिलाफ भी कार्रवाई शुरू कर दी है। उनके अवैध निर्माण और मकानों को ध्वस्त किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए शहर के कुछ प्रतिष्ठानों पर भी प्रशासन का बुलडोजर चला। सत्यम होटल और पाथ व रिसॉर्ट पर कार्रवाई की गई। सरकारी जमीन से अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है।

मुख्यमंत्री आज अंतरित करेंगे लाड़ली बहना योजना की 40वीं किस्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 13 सितंबर को अगर मालवा से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की सितंबर माह की 40वीं किस्त का अंतरण करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 10 हजार 150 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 09 लाख 22 हजार 450 रुपये की मासिक आर्थिक सहायता सीधे अंतरित की जाएगी। सितंबर की किस्त के साथ ही योजना के प्रारंभ से अब तक महिलाओं को नियमित मासिक सहायता के रूप में अंतरित राशि 65,395.99 करोड़ रुपये हो जाएगी। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की

शुरुआत जून 2023 में हुई थी। उस समय पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती थी। अक्टूबर 2023 से इसमें 250 रुपये की वृद्धि कर सहायता राशि 1,250 रुपये प्रतिमाह की गई। नवंबर 2025 से एक बार फिर 250 रुपये की वृद्धि के बाद पात्र महिला हितग्राहियों को वर्तमान में 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जा रही है। योजना में ऐसी पात्र लाभार्थी महिलाओं को भी प्रावधान के अनुसार लाभ दिया जा रहा है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रतिमाह 900 रुपये प्राप्त हो रहे हैं।

एमपी में फिर बदला मौसम, 15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में कुछ दिन थमी बारिश ने फिर जोर पकड़ लिया है। शुक्रवार को भोपाल समेत कई जिलों में बारिश हुई। भोपाल में तेज आंधी के साथ हुई बारिश के दौरान दृश्यता 100 मीटर से भी कम रह गई। दमोह में निचले इलाकों में पानी भर गया। मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के 15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अगले तीन दिन प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने ऊज्जैन, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, देवास, हरदा, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांडुरंगा, सिवनी, बालाघाट और छतरपुर में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

ब्रिक्स के साझा बयान में पहलगाम हमले की निंदा

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन कई ऐतिहासिक और बड़े फैसलों के साथ संपन्न हुआ। इसके समापन पर जारी किए गए नई दिल्ली घोषणापत्र में विश्व राजनीति और व्यापार से जुड़े कई गंभीर मुद्दों को उठाया गया। घोषणापत्र में साफ कहा गया है कि किसी भी रूप में हिंसा, सीमा पार आतंकवाद और युद्ध को किसी भी सूरत में सही नहीं ठहराया जा सकता। इसके साथ ही, मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक्तरफ व्यापार नीतियों, टैरिफ और आर्थिक पारबंदियों पर गहरा ऐतराज जताया गया है। ब्रिक्स समूह ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी पुरानी वैश्विक संस्थाओं का स्वरूप अब बदलना चाहिए, ताकि ग्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों को उनका वाजिब

भारत की चुनाव प्रक्रिया सबसे पारदर्शी : सीईसी

नई दिल्ली। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि भारत की चुनावी प्रक्रिया दुनिया की सबसे पारदर्शी प्रणालियों में से एक है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची तैयार करने से लेकर वोटों की गिनती तक, हर एक कदम पर पूरी जांच-पड़ताल की जाती है। वह शुक्रवार को गुजरात यूनिवर्सिटी के अटल कलाम हॉल में आयोजित वृथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत की चुनाव प्रक्रिया के हर चरण में राजनीतिक दल, प्रत्याशी

मतदाता सूची से मतगणना तक हर कदम पर पैनी नजर



या उनके प्रतिनिधि लगातार निगरानी और सत्यापन का काम करते हैं। इसी वजह से हमारी चुनाव प्रक्रिया इतनी पारदर्शी है। मतदाता सूचियों की लगातार जांच में राजनीतिक दलों और उनके वृथ लेवल एजेंटों (बीएलए) की भी पूरी भागीदारी होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि बीएलओ को यह मुख्य जिम्मेदारी है कि वे अनुपस्थित, दूसरी जगह चले गए, मृत, दोहरे नाम और विदेशी (एएसडीडीएफ) मतदाताओं की पहचान करें। साथ ही वे यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र व्यक्ति का नाम सूची में बना रहे।

एजेंटों की मौजूदगी में मॉक पोल कराया जाता है, जिसमें ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की बारीकी से जांच होती है। मतदान समाप्त होने के बाद ईवीएम से जुड़ी तमाम प्रक्रियाएं एजेंटों के सामने पूरी होती हैं और जल्दी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जाते हैं। इसी तरह मतगणना के दिन भी कार्डेंटिंग एजेंटों के सामने फॉर्म 17सी में दर्ज आंकड़ों का ईवीएम में दर्ज वोटों से मिलान किया जाता है। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध और सटीक बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग समय-समय पर

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाता है। इसके तहत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से मिलते हैं और जरूरी दस्तावेजों, मैपिंग व सुनवाई के आधार पर सूची को दुरुस्त करते हैं। उन्होंने बीएलओ से अपील की कि वे अपने इलाकों में 18 साल के नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए हमेशा सक्रिय रहें, क्योंकि यह देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी सेवा है। अहमदाबाद में इलेक्टोरल लिटेसी क्लब (ईएलसी) और ईसीआईएनईटी पर आयोजित 5वां क्षेत्रीय सम्मेलन में ज्ञानेश कुमार ने 1,000 से अधिक सदस्यों, नोडल अधिकारियों, कैंपस एंबेसडर और बीएलओ से संवाद किया।

बर्दी छात्रावास में अधीक्षक की मनमानी के आरोप

जांच नहीं, बच्चों की थाली से व्यवस्था पर उठे सवाल, अभद्र व्यवहार के आरोपों पर कार्यवाही का इंतजार

सिंगरौली। चितरंगी विकासखंड अंतर्गत बर्दी छात्रावास का मामला इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। विद्यार्थियों के आरोपो की जांच करने में आखिर हीला हवाली क्यों की जा रही हैं। इधर बता दे कि राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह शासकीय बालक छात्रावास बर्दी में छात्रों की शिकायत का मामला अब विभागीय निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करने लगा है। छात्रावास की भोजन व्यवस्था और अधीक्षक के कथित व्यवहार को लेकर छात्रों ने गंभीर आरोप लगाए थे।

सूत्र बताते हैं कि शिकायत सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर जांच कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन करीब एक माह गुजरने के बाद भी जांच की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। इससे छात्रों की शिकायत पर कार्रवाई को लेकर सवाल उठने लगे हैं। छात्रों ने छात्रावास अधीक्षक संजय गुप्ता पर मौनू के अनुसार भोजन और निर्धारित सामग्री उपलब्ध नहीं कराने के आरोप लगाए थे। छात्रों का कहना है कि दाल और सब्जी में पानी की मात्रा अधिक रहती है।



इसके अलावा मौनू में शामिल भुना चना, तला चना, मुरपुरे और विशेष डाइट जैसी सामग्री भी नियमित रूप से उपलब्ध नहीं कराए जाने की शिकायत की गई थी। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और वास्तविक स्थिति विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। सरकारी छात्रावासों में भोजन व्यवस्था केवल खान-पान का विषय नहीं, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से सीधे जुड़ा मामला है। ऐसे में शिकायतों की निष्पक्ष जांच जरूरी हो जाती है।

विभाग को यह देखना चाहिए कि मौनू के अनुसार कितनी खाद्य सामग्री खरीदी गई, कितनी मात्रा में छात्रावास पहुंची और स्टॉक रजिस्टर में उसका क्या उल्लेख है। साथ ही वास्तविक रूप से छात्रों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन का भी मिलान कराया जाना चाहिए। छात्रों ने भोजन व्यवस्था को लेकर सवाल करने पर अधीक्षक द्वारा कथित तौर पर गाली-गलौज और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने के आरोप भी लगाए हैं। इन आरोपों की भी जांच आवश्यक है, ताकि शिकायत की वास्तविकता सामने आ सके। छात्रों के अनुसार भोजन व्यवस्था को लेकर यह भी कहा गया कि पर्याप्त राशि नहीं आ रही है और अपनी जेब से खर्च कर भोजन कराया जा रहा है। इस दावे की सच्चाई भी भुगतान, बिल और अन्य विभागीय अभिलेखों की जांच से सामने आ सकती है।

एक माह बाद भी कार्यवाही का इंतजार

मामले की जानकारी सहायक आयुक्त एवं जिला संयोजक, जनजातीय कार्य विभाग तक पहुंची थी। उनके स्तर से जांच कराने की बात कही गई थी। इसके बावजूद एक माह बाद भी जांच पूरी होने या कार्रवाई किए जाने की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आने से विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जांच में देरी के बीच स्थानीय स्तर पर अधीक्षक को संरक्षण मिलने की चर्चाएं भी जोर पकड़ रही हैं। हालांकि किसी राजनीतिक, प्रभावशाली व्यक्ति या विभागीय अधिकारी के संरक्षण की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इन चर्चाओं को तथ्य मानना उचित नहीं होगा। लेकिन सवाल यह जरूर है कि यदि आरोप निराधार हैं तो जांच कर स्थिति स्पष्ट करने में इतनी देरी क्यों हो रही है और यदि शिकायत में प्रथमदृष्टया सच्चाई है तो जिम्मेदारी तय करने की कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

औचक निरीक्षण से सामने आएगी हकीकत

मामले में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा छात्रावास का औचक निरीक्षण कराया जाना जरूरी है। मौनू, स्टॉक रजिस्टर, खाद्यान्न खरीदी, बिल, भुगतान और वितरण रिकॉर्ड की जांच के साथ मौके पर तैयार भोजन की गुणवत्ता भी देखी जानी चाहिए। छात्रों से अलग-अलग बातचीत कर उनके बयान दर्ज किए जाएं, ताकि किसी दबाव के बिना वास्तविक स्थिति सामने आ सके। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि बच्चों की थाली से जुड़े आरोपों की जांच एक माह बाद भी लंबित क्यों है? विभाग कब जांच पूरी कर सच्चाई सामने लाएगा और दोषी पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करेगा?

अंतर्राज्यीय सीमा पर आबकारी विभाग की दबिश, 35 लीटर से अधिक अवैध शराब जप्त

सिलफोरी और बिलौंजी में कार्रवाई, तीन आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज; 22 हजार से अधिक की शराब बरामद



सिंगरौली। जिले में अवैध शराब के संग्रहण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने शनिवार को विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशन तथा उपायुक्त आबकारी माधव सिंह भयड़िया एवं जिला आबकारी अधिकारी प्रणय कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग सिंगरौली और संभागस्तरीय उड़नदस्ता रोवा की टीम ने मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश की अंतर्राज्यीय सीमा सहित मोरवा एवं बैदुन वृत्त क्षेत्र में वाहन चेकिंग और अवैध मदिरा बिक्री के विरुद्ध कार्रवाई की। अभियान के दौरान वृत्त मोरवा एवं बैदुन के अंतर्गत सिलफोरी और बिलौंजी क्षेत्र में संदिग्ध

गतिविधियों की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान राकेश गुजर, कौशलया देवी खैरवार और रामनरेश शाह के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 28.98 बल्क लीटर देशी मदिरा, 1.98 बल्क लीटर विदेशी मदिरा, 8 बल्क लीटर बीयर तथा पांच लीटर हाथभट्ठी मदिरा बरामद की गई। आबकारी विभाग ने बरामद मदिरा को जप्त कर तीनों आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधन 2000) की धारा 34(1)(क) के तहत कुल तीन प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं। जन्म सामग्री का अनुमानित मूल्य करीब

22,396 रुपये बताया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण, परिवहन और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए प्रवर्तन अभियान आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई के दौरान आबकारी उपनिरीक्षक नीलिमा, सहायक जिला आबकारी अधिकारी अंबुज त्रिपाठी, अभियन्तृ पाठक सहित आबकारी मुख्य आरक्षक बहादुर सिंह, रामनरेश साहू, आरक्षक धीरू सिंह, अनुज भुजिया, अनूप मिश्रा, अमरपाल सिंह, राधवेंद्र सिंह और शैलेंद्र तिवारी मौजूद रहे।

संदीपनी विद्यालय का निरीक्षण, सीएसआर से विद्यार्थियों को सुविधाएं दिलाने पर जोर

सिंगरौली। जिला निगरानी समिति के सदस्य सुरेंद्र गुप्ता ने शनिवार को संदीपनी विद्यालय बरगवां का भ्रमण कर शैक्षणिक गतिविधियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने डीव्हीसी मान सिंह एवं हरिश्चंद्र सिंह के साथ विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय का संचालन सुव्यवस्थित मिला और परीक्षाएं भी निर्धारित व्यवस्था के अनुसार संचालित होती पाई गई। निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने विद्यालय के आइट्री रूम का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय औद्योगिक एवं कॉर्पोरेट संस्थानों, जैसे अडानी



और हिंडालको, से सीएसआर के माध्यम से सहयोग लेने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों के अधिकारियों को विद्यालय में आमंत्रित कर विद्यार्थियों की आवश्यकताओं से अवगत कराया जाए और सहयोग के लिए औपचारिक पत्राचार किया जाए। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी जोर दिया। खेल, संगीत और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने के साथ

उनकी छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने की बात कही। भ्रमण के दौरान श्री गुप्ता ने निर्माणाधीन संदीपनी विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि से कार्य की प्रगति, निर्धारित समय-सीमा और निर्माण में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। प्रतिनिधि ने बताया कि लगभग छह माह में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य है। श्री गुप्ता ने गुणवत्ता से समझौता किए बिना तय समय में निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय की प्रगति और विद्यार्थियों के हित में सभी संबंधित पक्षों से निरंतर सहयोग की अपेक्षा जताई।

लक्ष्य तय कर मेहनत करें, उपलब्ध संसाधनों का करें सदुपयोग

कमिश्नर ने विद्यार्थियों से किया संवाद, शिक्षकों से नियमित मार्गदर्शन और मनोबल बढ़ाने का किया आह्वान

सिंगरौली। पीएम एक्सोलेस कॉलेज बैदुन में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में रोवा संभाग के कमिश्नर शोलेन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उन्हें सफलता का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि उपलब्ध समय और संसाधनों का सदुपयोग करते हुए निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के लिए पूरी लगन और गंभीरता से प्रयास करें। कार्यक्रम में कलेक्टर गौरव बैनल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संघप्रिय एवं क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक महेन्द्र मणि द्विवेदी मौजूद रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य आरके झा ने अतिथियों का स्वागत



करते हुए बताया कि कॉलेज में 17 जुलाई से एमपीपीएससी कोचिंग संचालित है, जिसमें 48 विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। कमिश्नर ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को कोचिंग का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रतियोगी

परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें और उपयोगी अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश महाविद्यालय प्रबंधन को दिए। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कमिश्नर ने कहा कि सफलता की नींव में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। गुरुजनों का सम्मान करें और उनके मार्गदर्शन को जीवन में अपनाएं। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक सोच रखने, अच्छी आदतें अपनाने और नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, शिक्षित और जागरूक युवा ही देश को मजबूत बनाएगा। शिक्षकों से उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देना केवल शासकीय दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता अलग होती है, इसलिए नियमित संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाएं और लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर गौरव बैनल ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। गिनियारी में निर्माणाधीन पीजी कॉलेज में आधुनिक लाइब्रेरी और सर्वसुविधायुक्त ऑडिटोरियम की सुविधा भी मिलेगी। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर पीएस त्रिपाठी, एसडीएम सुरेश जाधव, तहसीलदार सविता यादव, प्रीति सिकरवार सहित शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नस्तिर्यों और अभिलेखों में तारीख गायब, कमिश्नर ने जताई नाराजगी

ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के कार्यालय में कमिश्नर-कलेक्टर का औचक निरीक्षण, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

सिंगरौली। ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के कार्यालय में शनिवार को रोवा संभाग के कमिश्नर शोलेन्द्र सिंह एवं कलेक्टर गौरव बैनल ने औचक निरीक्षण किया। अचानक पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यपालन यंत्री कार्यालय एवं स्थापना कक्ष का जायजा लेते हुए कार्यालयीन व्यवस्थाओं के साथ अभिलेखों और नस्तिर्यों के संधारण की स्थिति देखी। इस दौरान कई



अभिलेखों के व्यवस्थित रख-रखाव में कमी मिलने पर कमिश्नर ने नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान नस्तिर्यों की आवक-जावक

पंजी और नस्ती प्रस्तुत किए जाने की तारीख दर्ज नहीं होने पर कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक नस्ती की आवक-जावक पंजी में दिनांक अनिवार्य रूप से अंकित की जाए। नस्ती प्रस्तुत करते समय उसकी प्रस्तुति की तारीख तथा नोटशीट पर भी दिनांक दर्ज होना चाहिए, ताकि प्रकरण के

निस्तारण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट रहे। कमिश्नर ने निर्माण कार्यों के लिए तैयार किए गए पाइलनों का भी अवलोकन किया। इनमें दिनांक अंकित नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यपालन यंत्री को सभी दस्तावेज निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संधारित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय कार्यालयों में अभिलेखों और

नस्तिर्यों का सही संभालण प्रशासनिक कार्यप्रणाली की महत्वपूर्ण कड़ी है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में ऐसी कमी मिलने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ संघप्रिय, अपर कलेक्टर पीएस त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कांजी में ग्रामीणों और बच्चों ने सीखा माटी के गणेश बनाना

सिंगरौली। पर्यावरण संरक्षण और परंपरागत संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को आदर्श ग्राम कांजी में माटी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित सिद्ध गणेश माटी के गणेश, हर घर गणेश अभियान के तहत खुटाट सेक्टर में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों, नवांकुर सखियों और विद्यालय के बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता

की। कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था सुसंस्कार सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा प्राथमिक विद्यालय कांजी में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा तैयार करने की विधि बताई गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि मिट्टी की प्रतिमाओं का उपयोग करने से गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। साथ ही स्थानीय स्तर पर प्राकृतिक सामग्री से

प्रतिमा निर्माण की परंपरा को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम समन्वयक शिवगंगा साहू, सावित्री प्रजापति, परामर्शदाता वंदना शाह, पूनम नामांकुर सखी, अध्यक्ष ममता शाह सहित नवांकुर सखियां, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षिकाएं और ग्रामीणजन मौजूद रहे। प्रशिक्षण के बाद उपस्थित लोगों ने घर-घर माटी के गणेश स्थापित करने और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

किताबों से संवरंगे सपने, बरसात में भी नहीं थमेगी पढ़ाई

सिंगरौली। शिक्षा को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार मानते हुए हिंडालको महान ने निर्गमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल बरगवां में सुसज्जित पुस्तकालय की सीगात दी। साथ ही विद्यालय के 2288 छात्र-छात्राओं को बारिश से बचाव के लिए छात्रों का वितरण किया गया। पुस्तकालय का उद्घाटन हिंडालको महान के मानव संसाधन प्रमुख डॉ. विवेकानंद मिश्रा ने किया। उद्घाटन के बाद डॉ. मिश्रा ने पुस्तकालय कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने पुस्तक अलमारियों, विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध टैबलेट चैयर, पुस्तकों के रखरखाव और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि आधुनिक सुविधाओं से तैयार पुस्तकालय विद्यार्थियों को अध्ययन

हिंडालको महान ने संदीपनी स्कूल बरगवां को दिया सुसज्जित पुस्तकालय, 2288 विद्यार्थियों को बांटे छाते

के लिए आकर्षित कर रहा है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. विवेकानंद मिश्रा ने कहा कि पुस्तकालय महज किताबें रखने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों को दिशा देने वाला केंद्र है। पाठ्यपुस्तकें परीक्षा की तैयारी कराती हैं, जबकि अच्छी पुस्तकें जीवन के लिए तैयार करती हैं। इंटरनेट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है, लेकिन पुस्तकों का नियमित अध्ययन सोचने, समझने और सवाल करने की क्षमता विकसित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पुस्तकालय का

नियमित उपयोग करने का आह्वान किया। 2288 विद्यार्थियों को छाते वितरित कार्यक्रम के दौरान हिंडालको के सीएसआर प्रमुख संजय सिंह ने 2288 विद्यार्थियों को छाते वितरित किए। उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर प्रयास समाज के भविष्य में निवेश है। पुस्तकालय और छाता वितरण जैसी पहल विद्यार्थियों को पढ़ाई की सुगम बनाने के साथ उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ाएगी। विद्यालय के उप प्राचार्य पवन तिवारी ने हिंडालको महान के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र पाण्डेय ने किया। आयोजन में सीएसआर टीम के राजीव रंजन, धीरेन्द्र तिवारी, शीतल श्रीवास्तव, स्थानीय वॉलंटियर्स, प्राचार्य आर.के. शुक्ला सहित विद्यालय के शिक्षकगण का योगदान रहा।

गिनियारी पीजी कॉलेज में बनेगा 400 सीटर अत्याधुनिक सभागार

कलेक्टर के प्रयासों को मिली सफलता, एनसीएल ने 12.18 करोड़ रुपये की परियोजना को दी मंजूरी

सिंगरौली। जिले में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना विस्तार को लेकर बड़ी सीगात मिलने जा रही है। कलेक्टर के विशेष प्रयासों से गिनियारी में निर्माणाधीन स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में 400 सीटर अत्याधुनिक सभागार के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। नॉर्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने सभागार निर्माण के लिए 12 करोड़ 18 लाख 31 हजार 490 रुपये की राशि स्वीकृत की है। परियोजना को एनसीएल सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत स्वीकृति मिली है। गिनियारी में विकसित हो रहे



पीजी कॉलेज परिसर को आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से कलेक्टर द्वारा सभागार निर्माण का प्रस्ताव तैयार कराया गया था।

जिला प्रशासन की ओर से प्रस्ताव एनसीएल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के बाद लगातार प्रयास किए गए। इसके परिणामस्वरूप एनसीएल के संचालक मंडल की 22 अगस्त 2026 को हुई 320वीं बैठक में सामाजिक दायित्व समिति की अनुशंसा पर परियोजना को मंजूरी प्रदान की गई। सभागार का निर्माण जिला प्रशासन सिंगरौली और एनसीएल के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से कराया जाएगा। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त यह सभागार विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। यहां व्याख्यान,

संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकेंगे। गिनियारी में विकसित हो रहा स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर सिंगरौली में उच्च शिक्षा के नए केंद्र के रूप में आकार ले रहा है। 400 सीटर सभागार के निर्माण से परिसर की सुविधाओं में विस्तार होने के साथ विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों के लिए बेहतर मंच उपलब्ध होगा। यह परियोजना जिले में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और शैक्षणिक वातावरण को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण साबित होगी।



स्वामित्व योजना के हितग्राहियों की निःशुल्क रजिस्ट्री के लिए 17 सितंबर से महाअभियान

कलेक्टर विकास मिश्रा ने मझौली में बैठक लेकर अधिकारियों को दिए प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

सीधी। स्वामित्व योजना के तहत आबादी भूमि के हितग्राहियों के अधिकार अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री के लिए 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाले महाअभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज मझौली में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्राम स्तर तक समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा पात्र हितग्राहियों को अभियान का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में पंजीयन प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने के साथ हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देने पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप मध्यप्रदेश शासन की स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन

योजना-2026 के तहत जिले के ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में स्वामित्व योजना से लाभान्वित हितग्राहियों के अधिकार अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री की जाएगी। रजिस्ट्री के लिए हितग्राहियों को स्टाम्प ड्यूटी एवं पंजीयन शुल्क का भुगतान नहीं करना होगा। पंजीयन पर होने वाला व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया

इंटरन्स के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सीधी। युवाओं में प्रशासनिक समझ, नेतृत्व क्षमता, जीवन कौशल, संचार दक्षता, विश्लेषणात्मक सोच एवं तकनीकी क्षमताओं के समग्र विकास के उद्देश्य से मुख्यमंत्री यंग इंटरन्स फॉर गुड गवर्नेंस प्रोग्राम के अंतर्गत इंटरनशिप के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान द्वारा मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले के प्रत्येक विकासखंड में 15-15 इंटरन्स का चयन एक वर्ष की अवधि के लिए किया जाएगा। जिला समन्वयक सेडमैप रोवा/सीधी हरिओम शरण सोनी ने बताया कि इंटरनशिप के लिए

मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी युवा आवेदन कर सकते हैं। आवेदक का जिस जिले के लिए आवेदन किया जा रहा है, उस जिले का मूल निवासी होना आवश्यक है। इसके साथ ही आवेदक ने भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से वर्ष 2022-23, 2023-24 अथवा 2024-25 में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक या स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की हो। आवेदक की आयु 18 से 29 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। इंटरनशिप के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक युवा एम.पी. ई-

सेवा पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए पोर्टल के सर्च बॉक्स में मुख्यमंत्री यंग इंटरन्स फॉर गुड गवर्नेंस प्रोग्राम सर्च कर आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। आवेदन के लिए एम.पी. ई-सेवा पोर्टल का उपयोग किया जा सकता है। इंटरनशिप की अवधि एक वर्ष होगी। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी सेडमैप की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आवेदक "सेडमैप की वेबसाइट" पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आवेदकों को केवल एम.पी. ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन करना होगा। अन्य किसी माध्यम से किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

खनिज के अवैध परिवहन पर कार्यवाही, चार वाहन जप्त

सीधी। खनिज के अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए खनिज विभाग की टीम ने रामपुर नैकिन, गोपदबनास एवं चुरहट तहसील के विभिन्न क्षेत्रों से रेत एवं गिट्टी का अनाधिकृत परिवहन कर रहे चार वाहनों को जप्त किया है। जप्त वाहनों में दो वाहन रेत तथा दो वाहन गिट्टी का परिवहन करते पाए गए। संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई



के दौरान खनिज रेत का अनाधिकृत परिवहन करते पाए जाने पर वाहन क्रमांक MP53GA3572 को जमोड़ी

तिराहा तथा MP17ZP9645 को बघवार क्षेत्र से जप्त किया गया। इसी प्रकार खनिज गिट्टी का अनाधिकृत परिवहन करते पाए जाने पर वाहन क्रमांक MP53HA1427 को ग्राम उपनी के निकट तथा MP53GA3249 को चुरहट क्षेत्र से जप्त किया गया। खनिजों का अनाधिकृत परिवहन पाए जाने पर चारों वाहनों को नियमानुसार जप्त कर सुरक्षाई में खड़ा कराया गया है। इनमें एक वाहन थाना कोतवाली, एक पुलिस चौकी पिपरांव, एक थाना जमोड़ी तथा एक वाहन मोहनिया पुलिस

स्थानीय उत्पादों को पर्यटन से जोड़कर बढ़ाएंगे रोजगार के अवसर : कलेक्टर

पर्यटन उद्यम को बढ़ावा देने कलेक्टर ने होटल, रिसोर्ट एवं रेस्टोरेंट संचालकों से किया संवाद

सीधी। जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से परसिली रिसोर्ट में होटल, रेस्टोरेंट एवं रिसोर्ट संचालकों तथा निवेशकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यटन क्षेत्र से जुड़े व्यवसायियों की समस्याओं एवं उनके निराकरण के साथ-साथ पर्यटन विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक

उपलब्ध कराई जाए और उन्हें रजिस्ट्री की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाए। अधिकारियों को अभियान के दौरान प्राप्त होने वाली समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में उपखंड अधिकारी मझौली आकाश अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मझौली सुरभि श्रीवास्तव, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारी, पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाले महाअभियान में संबंधित राजस्व अधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं और अपनी आबादी भूमि के अधिकार अभिलेख की निःशुल्क रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूर्ण कराएं।



बुनियादी सुविधाओं पर चर्चा की गई। इसमें साफ-सफाई, बिजली, पानी, पर्यटकों के लिए सुविधाओं के विस्तार तथा पर्यटन स्थलों पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने जैसे विषय प्रमुखता से शामिल रहे। व्यवसायियों ने पर्यटन

गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि रिसोर्ट, होटल एवं रेस्टोरेंट संचालक स्थानीय लोगों द्वारा तैयार किए जा रहे आजीविका उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करें तथा स्थानीय उत्पादों को पर्यटकों तक पहुंचाने के लिए उन्हें अपने प्रतिष्ठानों में स्थान दें। इससे स्थानीय उत्पादों का बाजार मिलेगा और लोगों को आमदनी के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने पर्यटन उद्यम से जुड़े संचालकों से स्थानीय संसाधनों और उत्पादों को प्रोत्साहित करने, पर्यटकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध

कराने तथा अपने प्रतिष्ठानों के माध्यम से क्षेत्र की स्थानीय पहचान को बढ़ावा देने की अपेक्षा की। बैठक में प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में उपखंड अधिकारी मझौली आकाश अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मझौली सुरभि श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी तथा होटल, रेस्टोरेंट एवं रिसोर्ट व्यवसाय से जुड़े संचालक एवं निवेशक उपस्थित रहे।

सीधी के युवाओं का स्वरोजगार की ओर बढ़ता कदम

उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम में स्वदेशी स्वावलंबन और भारतीय संस्कृति अपनाने का आह्वान

सीधी। शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय सीधी में स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को स्वरोजगार, स्वावलंबन एवं स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अंजु पाठक ने कहा कि सीधी जिले के युवा अब रोजगार के लिए केवल नौकरी पर निर्भर रहने के बजाय स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इससे जिले में बेरोजगारी कम करने की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने छात्राओं से भारतीय वेशभूषा एवं स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। अधिवक्ता प्रमोद कुमार मिश्रा स्वदेशी जागरण मंच संयोजक ने चर्चा के दौरान बताया कि जिले में लगातार जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में विगत दिवस भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे

शर्मा समन्वयक भारतीय समाज की पारंपरिक पहचान एवं सामाजिक रिश्तों को पुनः मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण पारिवारिक एवं सामाजिक रिश्तों में दूरी बढ़ रही है, ऐसे में भारतीय पारिवारिक परंपराओं को मजबूत करने की जरूरत है। आशुतोष गुप्ता विचार प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में स्वदेशी, स्वावलंबन,

मध्यप्रदेश शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा शिक्षकों का किया जाएगा सम्मान

सीधी। मध्यप्रदेश शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ सीधी के जिलाध्यक्ष प्रशान्त जायसवाल द्वारा बताया गया है कि शिक्षा के क्षेत्र में अपने शैक्षणिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षक दिवस 5 सितम्बर को दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह बालेंदु व भोपाल में राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों में क्रमशः राकेशकुमार द्विवेदी, श्रीमति अजीता द्विवेदी एवं सतीश कुमार पांडेय को स्थानीय मानस भवन सीधी में दिनांक 13 सितम्बर को संगठन द्वारा सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। उक्त सम्मान कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में संसदीय क्षेत्र से सीधी के सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा, विशिष्ट अतिथि के रूप में सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक, धौहनी विधायक कृष्ण सिंह टेकाम एवं माननीय राजा साहब मड़वास अश्वयुज सिंह (राज भैया) द्वारा उक्त पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को आयोजनकर्ता मध्यप्रदेश शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ की ओर से सम्मानित किया जाएगा। संघ के जिलाध्यक्ष ने आगे बताया है कि सीधी जिले के लिए वर्ष 2026 शिक्षा के क्षेत्र में गौरवपूर्ण रहा है जहाँ जिले से एक साथ चा शिक्षकों को राष्ट्रस्तर राज्यस्तर पर सम्मान मिला है और हम सभी का दायित्व बनता है की ऐसे शिक्षकों का हम भी सम्मान करे इसीलिए उक्त सम्मान कार्यक्रम की रूप रेखा बनाई गई।

अजीता द्विवेदी का हुआ सम्मान

सीधी। श्री गुरु बजरंग संघ अखिल भारतीय मातृ शक्ति संगठन सीधी द्वारा पूजा पार्क गयात्री मंदिर में सम्मान समारोह एवं जन्मदिन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिले को गौरवान्वित करने वाली वरिष्ठ शिक्षिका एवं राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित श्रीमती अजीता द्विवेदी का सम्मान किया गया जहां गायत्री मंदिर में प्रद्युम्न मुख्य परिव्राजक द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार विधि विधान से पूजा पाठ किया गया स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत श्रीमती विमला पाण्डेय का जन्मदिन दीप जल कर मनाया गया। उपस्थित जनों ने पुष्पगुच्छ माला श्रीरक्त देकर सम्मानित किये एवं पुष्प सिंचित कर आशीर्वाद एवं सम्मान दिए। इस दौरान श्री गुरु बजरंग संघ के प्रांत प्रचारक धीरेंद्र सिंह परिहार एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी महेंद्र सराफ, सद् विप्र समाज के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अंशुमान सिंह चौहान, एडवोकेट अरुण सिंह बघेल, गायत्री शक्तिपीठ से प्रेमचंद गुप्ता, गोविंद सिंह तोमर आदि मौजूद रहे।

कार्यालय नगर परिषद हनुमना, जिला मऊगंज (म.प्र.)

E-Mail ID- cmohanumana@mpurban.gov.in

इश्तहार सूचना

हनुमना, दिनांक 01.09.2026

नगर परिषद हनुमना सीमा के अन्तर्गत निम्न भवनों /प्लाटो के नामांतरण के आवेदन प्राप्त हुये नामांतरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अंदर दस्तावेजो सहित लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकत है समयवधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

भवनों एवं प्लाटो का विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	भवन/प्लाट का स्थान व वार्ड क्रमांक	भवन एवं प्लाट की साईज	भवन/प्लाट के पूर्व स्वामी का नाम	नामांतरण कराने वाले का नाम व पिता/पति का नाम
1	वार्ड क्रमांक 06 हनुमना	निर्मित भवन, भूमि खसरा नम्बर 177/1/3/1 रकबा 0.0140 हे.	श्रीमती प्रेमवती तिवारी पति श्री पन्नालाल तिवारी	श्री संतोष गुप्ता पिता श्री रामरखा गुप्ता
2	वार्ड क्रमांक 06 सगरा खुर्द हनुमना	निर्मित भवन, भूमि खसरा नम्बर 183/1/क/6 रकबा 0.1050 हे.	श्रीमती देवकली तिवारी पति श्री लक्ष्मण प्रसाद तिवारी	श्री शत्रुघ्न पाण्डेय पिता श्री ब्रह्मदीन पाण्डेय

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद हनुमना
जिला-मऊगंज (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद मऊगंज जिला मऊगंज (म.प्र.)

cmomahuganj@mpurban.gov.in

क्रमांक /1254/e-tendering/NP/2026

निविदा सूचना - आमंत्रण

मऊगंज/दिनांक 08.09.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत टेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट <https://mptenders.gov.in/> पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्र. जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयवधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं अंतिम तिथि EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_535156_1 दिनांक: 10.09.2026	वार्ड क्र.05 में रम्पाकांत से उपेन्द्र सिंह तक CC रोड निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	1. 30 दिवस 2. 305512/-	1. 2000/- 2. 3055/-	17.09.2026
2.	2026_UAD_535157_1 दिनांक: 10.09.2026	वार्ड क्र.07 चक्रमाटी में पुरानी CC रोड से रामखेलावन तक PCC रोड निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	1. 30 दिवस 2. 220696/-	1. 2000/- 2. 2210/-	17.09.2026
3.	2026_UAD_535158_1 दिनांक: 10.09.2026	वार्ड क्र.09 में मूण्ण से एकता मिश्रा के घर तक WBM रोड निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	1. 30 दिवस 2. 384263/-	1. 2000/- 2. 3850/-	17.09.2026
4.	2026_UAD_535159_1 दिनांक: 10.09.2026	वार्ड क्र.06 में सुरेश से अमृत बंसल तक PCC रोड निर्माण कार्य (तृतीय आमंत्रण)	1. 30 दिवस 2. 204482/-	1. 2000/- 2. 2050/-	17.09.2026
5.	2026_UAD_535160_1 दिनांक: 10.09.2026	वार्ड क्र.08 में सोनी के घर से बराब रोड तक RCC नाली निर्माण कार्य (चतुर्थ आमंत्रण)	1. 45 दिवस 2. 756371/-	1. 2000/- 2. 7570/-	17.09.2026
6.	2026_UAD_535161_1 दिनांक: 10.09.2026	वार्ड क्र.09 में जगदीश गुप्ता से बूजरा दुबे तक रियूअल PCC रोड निर्माण कार्य (चतुर्थ आमंत्रण)	1. 30 दिवस 2. 158414/-	1. 1000/- 2. 3170/-	17.09.2026
7.	2026_UAD_535162_1 दिनांक: 10.09.2026	वार्ड क्र.15 में सुनीता मिश्रा से लातमण्ण सोधिया तक WBM रोड निर्माण कार्य (चतुर्थ आमंत्रण)	1. 30 दिवस 2. 199446/-	1. 1000/- 2. 3990/-	17.09.2026
8.	2026_UAD_535163_1 दिनांक: 10.09.2026	वार्ड क्र.02 में ठाकुरदीश साकेत से रामलाल तक पेवर ब्लाक बिछाने का कार्य (छठम आमंत्रण)	1. 30 दिवस 2. 111585/-	1. 1000/- 2. 2240/-	17.09.2026

नोट:- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन <https://mptenders.gov.in/> की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

संतोष सिंह
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद मऊगंज
जिला मऊगंज (म.प्र.)

संपादकीय

बिहार में हर साल बाढ़ की विभीषिका, कुदरत का कहर या प्रशासनिक नाकामी?

नेपाल में बारिश से बिहार के 14 जिलों में 40 लाख लोग बाढ़ से बेघर हुए हैं। हर साल आने वाली इस त्रासदी के बावजूद गाद सफाई और मजबूत तटबंध जैसे स्थायी जल प्रबंधन उपायों की कमी साफ दिखती है। बिहार हर वर्ष बाढ़ की विभीषिका का सामना करता है। इसका मतलब यह होता है कि इसकी प्रकृति को समझ कर इससे बचाव के इंतजाम किए जा सकते हैं। मगर इतने वर्षों से अमूमन हर वर्ष बाढ़ की तबाही के बावजूद राज्य को इस प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए कभी ठोस उपाय नहीं किए गए।इस बार भी नदियां उफान पर हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में भारी वर्षा की वजह से राज्य के चौदह जिलों में स्थिति गंभीर हो गई है। चालीस लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं।राहत शिविरों की अपनी सीमा है। गौरतलब है कि हर साल नेपाल से आने वाली नदियां तबाही लेकर आती हैं। बावजूद इसके राज्य सरकार इन नदियों के पानी को संभालने और आम लोगों को राहत के लिए कोई ठोस तंत्र विकसित नहीं कर पाई है। हर वर्ष बाढ़ राहत कार्यों पर निर्भरता के बजाय अगर सरकार बाढ़ नियंत्रण के उपायों पर ध्यान केंद्रित करती, तो इस समस्या को सुलझाने की दिशा में काफी आगे बढ़ा जा सकता था।नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाए गए तटबंध आज नाकाम साबित हो रहे हैं, तो इस समस्या की जड़ में जाने की जरूरत है। यह निराशाजनक ही है कि हर साल बाढ़ राहत के नाम पर रस्मी कवायद कर अगले वर्ष फिर बाढ़ की प्रतीक्षा की जाती है। एक बड़ी चुनौती यह है कि हिमालयी नदियां हर बार अपने साथ भारी मात्रा में गाद लेकर आती हैं, जो राज्य की नदियों में जमा होती जाती हैं।नतीजा यह कि उथली हो रही नदियों का पानी रिहडशी बलाकों को अपनी चपेट में ले लेता है। सुशासन का दावा करने वाली सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लिया होता, तो राज्य में जल प्रबंधन की नई तस्वीर बन सकती थी।यह बेवजह नहीं है कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार को इस आपदा से सबसे अधिक नुकसान होता है। सही है कि बाढ़ को रोकना नहीं जा सकता, लेकिन धरातल पर योजनाओं को साकार कर जन-जीवन को व्यापक नुकसान से ज़रूर बचाया जा सकता है।

जीडीपी के आंकड़ों को लेकर भी मोदी सरकार को झूठा ठहराने की कोशिश हो रही है । चीन गलवान कांड के दौरान भारतीय सीमावर्ती कमांड के चीफ रहे जनरल को बर्खास्त कर देता है, फिर भी राहुल गांधी की अगुआई में विपक्ष अब भी प्रचारित करने से परहेज नहीं कर रहा है कि गलवान घाटी में भारतीय सेना को चीन ने हराया और चीन भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है । ऐसी बयानबाजी अगर एक –दो बार होती तो उसे अनदेखा भी किया जा सकता था । लेकिन विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी की ओर से बार –बार ऐसे बयान दिए जाते हैं, जिसका संकेत तो यही लगता है कि वे भारत की छवि को खराब कर रहे हैं ।

जानबूझकर विपक्ष खराब कर रहा देश की छवि

(उमेश चतुर्सेदी)

भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की इस प्रवृत्ति को राष्ट्रीय बनाम राजनीति के बहस के दायरे में लाकर राहुल गांधी पर सवालों की बौछार करती रहती है। यह बात और है कि ऐसे ही बयान देने या उनका समर्थन करने वाले अखिलेश यादव और चंद्रशेखर रावण जैसे नेताओं के बयानों को नोटिस तक नहीं लेती।

पश्चिमी एशिया और रूस-यूक्रेन की लड़ाई के चलते दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खा रही हैं। ऐसे में जब यह आंकड़ा आए कि देश की जीडीपी की विकासदर 7.8 प्रतिशत रही है तो अच्यल तो खुशी का माहौल होना चाहिए था। लेकिन इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विवाद की बुनियाद बना है पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गां का दावा। उनका कहना है कि जीडीपी आधार को 86 लाख करोड़ से घटाकर 80 लाख करोड़ कर दिया है। इस लिहाज से यह दर शून्य से लेकर 2.6 प्रतिशत तक ही बैठती है। सरकार के आंकड़ों को कोई पूर्वं रसूखदार अधिकारी खिली उड़ाए और उसे विपक्ष न ले उड़ा तो हैरत ही होती। लेकिन ऐसा हो रहा है। इसकी वजह यह है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में सरकार और विपक्ष के बीच बड़ी वैचारिक खाई निजी खुब्रस और दुश्मनी तक पहुंच गई है। इस वजह से दोनों ही पक्षों में एक-दूसरे को लेकर भरोसे का रिश्ता नहीं रह गया है। यही वजह है कि देश को जोड़ने और आगे बढ़ाने वाले जब भी कोई मुद्दा या आंकड़ा सामने आता है, विपक्ष उसकी विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े करने लगता है।

ऐसा नहीं कि अतीत में विपक्ष सरकार को नहीं घेरता रहा है। लेकिन तब भी यह ध्यान रखा जाता था कि राष्ट्रीय हितों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को लेकर ऐसे कदम न उठाए जाएं या ऐसे बयान न दिए जाएं, जिससे देश की छवि पर आंच पहुंचे। अगर ऐसा नहीं होता तो मानवाधिकार के मामले पर नेता प्रतिपक्ष पाकिस्तान की मुखालफत करने के लिए जेनेवा जाने वाले सरकारी दल की अगुआई नहीं करता। पीवी नरसिंह राव की सरकार ने तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष अटार बिहारी वाजपेयी को ना सिर्फ भारतीय प्रतिनिधिमंडल दल का नेता बनाकर भेजा था, बल्कि पाकिस्तान के इग्रेडे को नैस्नानबूद करके लौटे प्रतिनिधिमंडल का प्रोटोकाल तोड़कर दिल्ली के हवाई अड्डे पर स्वागत भी किया था। भारत ने जब-जब परमाणु परीक्षण किया, तत्कालीन विपक्ष उसके साथ रहा। वाजपेयी के पोखरण परीक्षण के बाद तो अमेरिका ने भारत पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे, लेकिन कांग्रेस ने तब भी वाजपेयी सरकार पर सवालिया निशान

नहीं लगाए थे। लेकिन आज के दौर में अगर मोदी सरकार ऐसा कोई परीक्षण करती है तो उससे आज का विपक्ष सबूत मांगेगा। यह भी हो सकता है कि विदेशी धरती पर जाकर राहुल गांधी



इसका प्रत्यक्ष सबूत और परीक्षण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी मांग दे।

ठीक इसी तरह जीडीपी के आंकड़ों को लेकर भी मोदी सरकार को झूठा ठहराने की कोशिश हो रही है। चीन गलवान कांड के दौरान भारतीय सीमावर्ती कमांड के चीफ रहे जनरल को बर्खास्त कर देता है, फिर भी राहुल गांधी की अगुआई में विपक्ष अब भी प्रचारित करने से परहेज नहीं कर रहा है कि गलवान घाटी में भारतीय सेना को चीन ने हराया और चीन भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। ऐसी बयानबाजी अगर एक-दो बार होती तो उसे अनदेखा भी किया जा सकता था। लेकिन विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी की ओर से बार-बार ऐसे बयान दिए जाते हैं, जिसका संकेत तो यही लगता है कि वे भारत की छवि को खराब कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की इस प्रवृत्ति को राष्ट्रीयता बनाम राजनीति के बहस के दायरे में लाकर राहुल गांधी पर सवालों की बौछार करती रहती है। यह बात और है कि ऐसे ही बयान देने या उनका समर्थन करने वाले अखिलेश यादव और चंद्रशेखर रावण जैसे नेताओं के बयानों को नोटिस तक नहीं लेती। वैसे विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार-बार सवाल

उठया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग कंप्रोमाइज्ड है और इसके



सिस्टम में बहुत गलत है। हालांकि चुनाव आयोग ऐसे आरोपों का जवाब देता रहा, लेकिन विपक्ष की जुबान नहीं रुकी। इसी तरह बीते लोकसभा चुनाव के बाद अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में राहुल ने कहा था, भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा हुआ है, अब यह लड़ रहा है।' इसी तरहसितंबर 2023 में राहुल ने यूरोपीय यूनियन को संबोधित करते हुए ब्रसेल्स में कहा था कि भारत में भेदभाव और हिंसा बढ़ रही है। इस तरह के बयानों से राहुल जहां भारत के आंतरिक मामलों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाते रहे हैं, वहीं इसके जरिए वे भारतीय संस्थाओं को खुद ही बदनाम करते हैं। इसी तरह मई 2022 में लंदन में आइडियाज फॉर इंडिया सम्मेलन में राहुल ने कहा था कि भारतीय संस्थाएं परजीवी बन गई हैं। तब उन्होंने भारतीय संस्थाओं मसलन सीबीआई और ईडी को डीप स्टेट कह दिया था। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत की तुलना पाकिस्तान से भी कर दी।

राहुल ने 2018 में सिंगापूर के ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी में कहा था कि भारत में डर और नफरत का माहौल है और बहुलता की विचारभारा खतरों में है। इसी तरह जनवरी 2018 में बहरीन में प्रवासी भारतीयों के सम्मेलन में

राहुल ने कहा था कि सरकार बेरोजगारी से निपटने में नाकाम रही है। जिसका असर गुरो और नफरत के रूप में दिख रहा है। इसी तरह 2017 में उन्होंने अमेरिका में कहा था कि भारत अब वह नहीं रहा, जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। ऐसे बयानों से अक्सर वे भारत को ही सवालों के घेरे में रखते हैं और इस तरह देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उनके ऐसे बयानों को बाद में समूचा विपक्ष और ले उड़ता है और जगह-जगह भारतीय छवि को नुकसान पहुंचाता है। कुछ ऐसा ही इस बार जीडीपी को लेकर हो रहा है।

1991 के बाद के दौर इस वक्त याद आना लाजमी है। राजीव गांधी की हत्या के बाद उन्नी सहनुभूति के बावजूद कांग्रेस को आम चुनाव में बहुमत नहीं मिला। तब नरसिंह राव की अगुआई में कांग्रेस की अल्पमत की सरकार चलती रही। उस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 120 सीटें मिली थीं। इतनी ताकत के बावजूद बीजेपी ने आर्थिक सुधार के मोर्चे पर कांग्रेस की सरकार को बहुत सहयोग किया। सहयोग करने के लिए बीजेपी ने संसद की कार्यवाही से बहिर्गमन करने का रास्ता चुना था। मुद्दों पर वह सरकार को सदन में घेरती थी, लेकिन जब भी मतदान की नौबत आती, बीजेपी बाहर निकल जाती थी। इस तरह बीजेपी विरोध भी करती थी और सरकार का परोक्ष साथ भी देती थी। लेकिन आज की स्थिति देखिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष में भरोसे का रिश्ता ही नहीं रहा। विपक्ष सिर्फ तीर साधे रहता है और उसकी अगुआई अक्सर राहुल गांधी करते हैं। बाकी विपक्ष उनके साथ कोरस गान में शामिल हो जाता है। वाजपेयी की अगुआई वाली सरकार ने जब परमाणु परीक्षण किया था, तब कांग्रेस ने भी कमोबेश साथ दिया था। जबकि आज की तुलना में अमेरिका ने भारत विरोध में कहीं ज्यादा कड़े कदम उठाए थे। कई तरह की आर्थिक पाबंदियां भी लगाई थीं। तब चाहती तो कांग्रेस वाजपेयी सरकार को रोज कटघरे में खड़ा करती। तब कह सकते हैं कि कांग्रेस के नेतृत्व में ऐसे लोगों का वर्चस्व जरूर था, जो राष्ट्रीय हितों और तकाजों को समझते थे। सवाल यह है कि क्या ऐसी सोच आज की राजनीति विकसित नहीं कर सकती ?

विपक्ष को भूलना नहीं चाहिए कि ऐसे सवाल उठाकर वह भारतीय सरकार को नहीं, भारत की छवि को खराब कर रहा है। उसे देखना होगा कि भारत के आंकड़ों को विश्व बैंक ने भी मान्यता दे दी है। ऐसे में सवाल विपक्षी सोच पर भी उठता है। उसे भी सोचना होगा कि राष्ट्रीय विकास और श्रित में उसकी भी अपनी सकारात्मक भूमिका है और उसे निभाना होगा। लेखक वरिष्ठ पत्रकार है..।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खुशहाली का नया पैमाना- बाहरी उपलब्धियों के मोह से निकलकर आंतरिक शांति की ओर

(शिथिर धुवला)

तुलना मानव जीवन की सबसे सहज, लेकिन सबसे घातक प्रवृत्तियों में से एक है। संसार में जन्म लेने के साथ ही हम तुलना के समांतर जगत में भी प्रवेश कर जाते हैं। जीवन के लगभग हर पड़ाव पर हमारे हृद्य में एक अदृश्य मापनी धमा दी जाती है- ‘तुलना की मापनी’। धीरे-धीरे हम स्वयं को अपने भीतर से नहीं, बल्कि दूसरों के संदर्भ में देखना सीख जाते हैं।

यही वह क्षण है, जब हमारा आत्ममूल्य अंतस की मापनी को छोड़कर बाहरी पैमानों का मोहताज होने लगता है। स्वस्थ तुलना बुरी नहीं है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब यही तुलना प्रेरणा की जगह हीनता, ईर्ष्या, असंतोष और आत्मत्यागिनी को जन्म देने लगती है। ऐसी दशा में तुलना व्यक्ति को ऊपर उठाने के बजाय भीतर से खोखला करने लगती है।

हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि प्रत्येक मनुष्य की यात्रा अलग है। दो व्यक्तियों के सामने दिखाई देने वाले परिणाम समाप्त हो सकते हैं, लेकिन उनके पीछे की परिस्थितियां कभी समान नहीं होतीं। सत्य यह है कि हम केवल किसी के जीवन के दृश्य भाग से ही परिचित हो पाते हैं, उसका अदृश्य संघर्ष हम नहीं देख सकते। इसलिए दूसरों की उपलब्धियों को अपनी असफलताओं की मापनी बना लेना एक बड़ी और हानिकारक मानसिक भूल है।

किसी के जीवन की द्युतिमान तस्वीर के पीछे छिपी बेचैनी, संघर्ष, त्रा, असफलताएं, पारिवारिक तनाव या अकेलापन दिखाई नहीं देता। परिणाम यह होता है कि हम अपने वास्तविक जीवन की तुलना दूसरों के जीवन के उस पहलू से करने लगते हैं, जो हमें दिख रहा होता है। यह तुलना स्वाभाविक रूप से हमें असंतोष

किसी के जीवन की द्युतिमान तस्वीर के पीछे छिपी बेचैनी, संघर्ष, त्राण, असफलताएं, पारिवारिक तनाव या अकेलापन दिखाई नहीं देता। परिणाम यह होता है कि हम अपने वास्तविक जीवन की तुलना दूसरों के जीवन के उस पहलू से करने लगते हैं, जो हमें दिख रहा होता है। यह तुलना स्वाभाविक रूप से हमें असंतोष की ओर ले जाती है।

की ओर ले जाती है।

अगर तुलना करनी ही है, तो सबसे सार्थक तुलना अपने कल के व्यक्तित्व से होनी चाहिए। आज में कल से कितना बेहतर हूँ? मेरे विचारों में कितना परिवर्तन हुआ? मेरे व्यवहार में कितनी विनम्रता आई? मैंने क्रोध पर कितना नियंत्रण पाया? मैंने अपने कर्तव्यों को कितनी ईमानदारी से निभाया? मैंने किसी दुखी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए क्या किया?

उपलब्धि की परिभाषा यह नहीं कि हम किसी दूसरे से आगे निकल गए, बल्कि यह है कि हमने स्वयं को कल से बेहतर बना लिया। प्रत्येक व्यक्ति का स्वभाव दूसरे से भिन्न होता है। आम के बीज से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह गुलाब की तरह खिले। जीवन में हर व्यक्ति की समय-तालिका अलग होती है। कोई बीस वर्ष की उम्र में सफल हो जाता है, कोई चालीस में, कोई साठ में और कोई शायद कभी उस अर्थ में सफल नहीं होता, जिसे समाज सफलता कहता है।

क्या इसका अर्थ यह है कि उसका जीवन व्यर्थ हो गया? बिल्कुल नहीं। जीवन का मूल्य केवल उपलब्धियों से निर्धारित नहीं होता। तुलना का मूल कारण भीतर का असंतोष होता है। जब व्यक्ति अपने अस्तित्व को केवल बाहरी पहचान से जोड़ना बंद कर देता है, तब तुलना की पकड़ अपने आप ढीली पड़ने लगती है। फिर दूसरों की सफलता ईर्ष्या नहीं, कल प्रेरणा का कारण बनती है। दूसरे की प्रशंसा अपने अपमान का प्रतीक महसूस नहीं होती।

संतोष का अर्थ है प्रयास करते हुए भी परिणाम के प्रति भीतर से टूट न जाना। व्यक्ति अपने लक्ष्य के लिए पूरी मेहनत करे, अपनी कमियों को दूर करे, ऊंचाइयों को प्राप्त करने का प्रयास करे, लेकिन किसी भी दशा में अपनी आत्मशांति को उपलब्धियों की शर्त न बनाए। जीवन को केवल उपलब्धियों की सूची बनाकर देखना ठीक उसी प्रकार है, जैसे किसी संगीत को केवल उसकी अवधि से मापना। किसी गीत की सुंदरता उसकी अवधि में नहीं, उसकी अनुभूति में होती है।

हमें समझना होगा कि सबसे कठिन प्रतियोगिता बाहर नहीं, भीतर है। क्रोध से धैर्य की ओर जाना, अहंकार से विनम्रता की ओर जाना, भय से विश्वास की ओर जाना, लोभ से संतोष की ओर जाना और स्वार्थ से सेवा की ओर जाना- यही वास्तविक विजय है। इस यात्रा में किसी दूसरे को हरायने की आवश्यकता नहीं पड़ती। यहाँ विजेंता और पराजित दोनों एक ही व्यक्ति होता है और वह है स्वयं हम।

खुशहाली के लिए जीवन की मापनी बदलने की आवश्यकता है। यह मापनी होनी चाहिए- वज्र की, आत्मशांति की और आत्मतोष की। जीवन की सबसे सुंदर स्थिति वह है, जब मनुष्य दूसरों को देखकर यह नहीं सोचता कि ‘मैं उनसे कितना पीछे हूँ’, बल्कि स्वयं से यह प्रश्न करता है- ‘मैं उनसे क्या सीख सकता हूँ? क्या आज मैं कल से थोड़ा बेहतर मनुष्य बना?’ ये प्रश्न जीवन की दिशा बदल सकते हैं।

तुलना की मापनी बाहर से भीतर की ओर मोड़नी होगी।

अपने जीवन का मूल्यांकन हमें स्वयं करना होगा। मापनी ऐसी होनी चाहिए, जिसमें मनुष्य किसी दूसरे से बड़ा नहीं, बल्कि अपने भीतर से बेहतर बनने का प्रयास करे। जहां सफलता का अर्थ किसी को पीछे छोड़ना नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर के अंधकार को थोड़ा कम करना हो। जहां समृद्धि का अर्थ केवल संग्रह नहीं, बल्कि बांटने की क्षमता हो। जहां ऊंचाई का अर्थ पद नहीं, दृष्टि की ऊंचाई हो। और जहां जीवन का अंतिम प्रश्न यह न हो कि ‘मैं दूसरों से कितना आगे था?’, बल्कि यह हो कि ‘मैं अपने होने को कितना सार्थक कर पाया?’ जब तुलना समाप्त होती है, तो आत्मबोध शुरू होता है और जब आत्मबोध शुरू हो जाता है, तब मनुष्य समझ पाता है कि जीवन कोई प्रतियोगिता नहीं, एक यात्रा है।

कोई परीक्षा नहीं, एक अनुभव है। कोई मापनी नहीं, एक साधना है। इस साधना में सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि यात्रा पूरी होने पर हम स्वयं से कह सकें- ‘मैंने किसी और जैसा बनने की कोशिश नहीं की, मैंने पूरी निष्ठा से स्वयं बनने का प्रयास किया। मैंने सदैव बाहरी परिस्थितियों एवं दूसरों की उपलब्धियों से अपने अंतर्मन को वित्त रखते हुए आत्मोन्नति एवं आत्मपरिवर्तन की चेष्टा की।’ स्वयं से तुलना और फिर सार्थक प्रयास ही आत्मविकास का एकमात्र आधार है। (यह लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 6211					
1	2	3		4	5
				8	9
7					
10			11		
			12	13	14
		15		16	
	17		18		19
				20	
21				22	
	23			24	

संकेत: **बाएं से दाएं**,
1. 15 जुलाई 2011 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने पीएसडीएस-17 के **चाँद** की सैटे-2 ए का यहां से सफल प्रक्षेपण किया (5)
2. महिला, स्त्री, औरल (2)
3. सुपर स्टार सलमान खान की जन्म भूमि गुजरात के इस अंचल में स्थित है (3)
4. विस्फोटी मंद बुद्ध को (4)
5. कुचा करना, डया करना (4)
6. पुराणानुसार पांचवा लोक जहां से मनुष्य उत्पन्न होे, लोग, जनता (2)
7. आकृति के अनुसार बनाया गया चित्र (2)
8. चंदमा, चंद्र, कौमुदी, चंद्रनी (4)
9. दक्षिणी अमेरिका के प्रसिद्ध तट स्थित देश (2)
10. लुट का माल, संतोष की बात (2)
11. रियाल्टर को अंग्रेजी में यह कहते हैं (3)
12. पदार्थ, डोकर, पदार्थ (2)
13. भाई, सहोदर, भ्राता (2)
14. **ऊपर से नीचे**
1. मोहियत, पुरुषों के नाम के पूर्व लगने वाला आदर सूचक शब्द (3)
2. गिफाना बनाकर बेचने वाला व्यवसायी (4)
3. रसम, प्रथा, रीति (3)
4. लकड़ी, घुसा आदि बेचने की दुकान (2)
5. किसी वस्तु, प्रार्थी आदि का चोकर सूचक शब्द (2)
6. परिपक्वी, अदुल्ल, प्रणाम (4)
7. अनाज को खाकर खोखला या फोला करने वाला एक छोटा कीड़ा (2)
8. गर्व, घमंड, घडा (2)
9. टीकर में घोड़े करने के लिए बनाया गया छेद (3)
10. यह हॉरी देश की राजधानी है (4)
11. कमर में लटके हुए पहने वाला एक प्रकार का पहिरन (4)
12. 7100 इरीषी वाले पुंज फिलीपींस की यह राजधानी है (3)
13. ईश्वरक मारवी, पुट्टा, नपेना, नापे (3)
14. पित्रा, जनक (संस्कृत) (2)

वर्ग पहेली 6210 का हल									
व	ल	ई	ल	म	अ				
स	त		ल	न	टे	नि	स		
दि		त	र		क	ल	मी		
व	न	र	ज		नी		र		
सी	न		प	ह	ल				
य		न	त	जि		म			
	अ	क	र	स्ट	डी				
त	ब		य	क्ष		न	क		

उत्तर प्रदेश में सनातन और विकास की गूंज

(मृत्युंजय दीक्षित)

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने अपना कार्यभार संभाल लिया है और अपने इग्रेडे भी स्पष्ट कर दिए हैं। भाजपा ने 2027 के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें हर बूथ को मजबूत करना होगा। कोई बूथ छूटना नहीं चाहिए।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही सभी राजनैतिक दलों ने अपना गुण-भाग करके उसके आधार पर पिच बनानी आरम्भ कर दी है। अभी तक जो राजनैतिक अनुमान सामने आए हैं उसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन की बहुत स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रही है। उभर सपा मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस के मध्य सीटों के तालमेल पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हो सका है जिसके कारण इंडी गठबंधन के कार्यकर्ताओं में भ्रम व असमंजस की स्थिति बनी हुई है। चुनावी तैयारी करते हुए सपा ने कार्यकर्ताओं की ड्रेस का रंग भी बदल डाला है।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने अपना कार्यभार संभाल लिया है और अपने इग्रेडे भी स्पष्ट कर दिए हैं। भाजपा ने 2027 के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें हर बूथ को मजबूत करना होगा। कोई बूथ छूटना नहीं चाहिए। सभी जातियों को साथधने का मंत्र दिया गया है। संख्या चाहे कम हो या ज्यादा लेकिन कोई जाति अछूती न रहे। हमें सबको जोड़ना होगा। भाजपा ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश का चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व उनके चेहरे पर ही लड़ा जाएगा। यही कारण है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पाती के माध्यम से, मंच से तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस के माध्यम से भी जनता के साथ संवाद बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी का जनता दरबार तो नियमित है ही।

वह अयोध्या, मथुरा, काशी की भूमि से सनातन का संदेश भी दे रहे हैं। योगी स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और पीड़ितों से मिल रहे हैं। योगी ने सार्वजनिक संवाद में नवीचय भाषण और योजनाओं के शुभाभर से आगे बढ़कर युवाओं, छात्रों ,लाभार्थियों से संवाद का विस्तार किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा का दो दिवसीय दौरा कर स्पष्ट संकेत दे दिया है कि अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर का निर्माण पूर्णता की ओर अग्रसर है और अब श्रीकृष्ण की जन्मभूमि की मुक्ति का समय आ गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के माध्यम से अवध से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक समस्त क्षेत्र को सनातन के रंग में रंग दिया और अपने मतदाता को बता दिया कि अब अगला चरण श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का ही है। मथुरा में मुख्यमंत्री योगी ने दो दिन बिताए। परियोजनाओं का लोकार्पण वशिलाव्यास करते हुए सपा सरकार के काले कारनामों को उजागर किया और समा बांध दिया। अपने भाषण में योगी ने कहा कि प्रदेश में 2017 के पूर्व उत्सव नहीं उपद्रव होता था।

पूर्व की सरकार दंगाइयों को सम्मान देती थी।अब दंगामुक्त प्रदेश में भारी संख्या में पर्यटक व श्रद्धालु आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सनातन की आभा निरंतर बढ़ रही है।आज काशी विश्वनाथ धाम भग्यता और आधुनिक सुविधाओं के लिए जाना जा रहा है। अयोध्या में बाबर ने 128 में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर को तोड़कर गुलामी का दांचा बनवा दिया लेकिन इससे रामनवमी, पंचकोमी, 14 कोसी और 84 कोसी परिक्रमा सावन का झूला मेला नहीं रुका। सनातन की आभा निरंतर बढ़ती रही और संघर्षों का जज्बा पैदा करती रही। इसी का परिणाम है कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का दिव्य व भव्य मंदिर बन गया है।

आज का राशिफल

मेष
आज आज आपका ध्यान रुकें हुए बिलों, घर के खर्चों और पैसों की सही व्यवस्था पर रहेगा। केवल मन ललचाने पर कोई भी खरीदारी न करें। अपने बजट को ध्यान से देखेंगे तो समझ आएगा कि पैसा कहाँ फिजूल बह रहा है। दफ्तर में आज हर काम सफाई से करने की जरूरत होगी।

मिथुन
आज बहुत संभलकर चलने की जरूरत है। जल्दबाजी में फैसला लेने का मन हो सकता है। कोई भी बड़ा फैसला या खरीदारी करने से पहले थोड़ा समय लें। अपनी जरूरी प्राथमिकताओं को पहले पूरा करें। आज का दिन काफी भागदौड़ और काम से भरा रहेगा।

सिंह
आज दिखावे के खर्चों के बीच का अंतर पहचानें। किसी स्थिति या पहचान को बनाए रखने के लिए पैसा बहाने से बचें। बार –बार होने वाले खर्चों को देखें और बेवजह का वित्तीय दबाव अपने ऊपर न आने दें। क्या पुरानी सफलताएं अब भी आपके लिए मायने रखती हैं।

वृष
आज परिवार के खर्चों या किसी बड़े सामान की खरीदारी पर ध्यान जाएगा। जोखिम लेने के बजाय समझदारी से चलना सही रहेगा। किसी भी लुभावने मोके पर बिना सवाल पूछे हां न कहें। काम के सिलसिले में लोगों से बने रिश्ते आपके काम आएंगे।

कर्क
आज पैसों की स्थिति को लेकर मन में भरोसा बना रहेगा। बचत को मजबूत करने का मन होगा। थोड़े समय के फायदे के बजाय लंबे समय के लिए बनाई गई योजनाएं आपको ज्यादा सुखून और सुरक्षा देंगी। आज आपकी मेहनत की दफ्तर में तारीफ हो सकती है।

कन्या
कन्या आज का दिन बहुत बढ़िया है। आप किसी पुरानी गलती या बचत के नए मोके को आसानी से पकड़ लेंगे। व्यवस्थित माहौल में काम करने से आपकी क्षमता बहुत बढ़ेगी। कामजातों की जांच और पुरानी व्यवस्था को सुधारने में आपकी सोच काम आएगी।

तुला
आज आराम या अपनी पसंद की चीजों पर खर्च कर सकते हैं। अपनी मेहनत की कमाई का आनंद लेना गलत नहीं है, बस यह ध्यान रखें कि इससे आपकी बचत न बिगड़े। काम की जगह पर आपके रिश्ते बहुत ठंडी ताकत बनेंगे। लोगों को साथ लाना, मतभेद सुलझाना और अपनी बात मनाना आज आसान रहेगा।

धनु
आज पढ़ाई, सफर या किसी नई सीख पर खर्च का मन बन सकता है। ऐसे काम पर पैसा लगाना सही है जिसका आगे जाकर साफ फायदा मिले, बस फालतू के खर्चों से दूरी बनाए रखें। अपने संपर्कों से फिर जुड़े और योजना बनाकर चलें। सही तैयारी के साथ उड़या गया कदम आपको मजबूत बनाएगा।

कुंभ
आज रातों –रात फायदा कराने वाले दावों या स्कीमों से दूरी बनाकर रखें। जल्दबाजी के जोखिम के बजाय जांच–परखकर लिया गया फैसला ही पैसों को सुरक्षित रखेगा। करियर में कुछ नया और अलग करने के विचार मन में आ सकते हैं। नए विचारों को धरातल पर लाने के लिए सही योजना की जरूरत होगी।

वृश्चिक
आज किसी भी जगह पैसा लगाने या बड़ा खर्च करने से पहले सोचें-विचार कर लें। जवाबत में आपको पैसों का फैसला न लें और पुरानी जिम्मेदारियों को समय पर निपटाएं। आज परिणाम तुरंत मिलने के बजाय धीरज से (संस्कृत) करने की जरूरत होगी।

मकर
आज पैसों को नियम से चलाने पर ध्यान रहेगा। घर की जरूरतों और भविष्य की बचत पर गंभीर सोच–विचार होगा। हर किसी की जिम्मेदारी अपने सिर लेने के बजाय केवल अपनी सीमा तय रखें। इससे आपका बजट और मन का सुकून दोनों ठीक रहेंगे।

मीन
आज पैसों से जुड़ी पुरानी जिम्मेदारियों को याद दिला रहे हैं। पुराने भूगतानों या बचत की योजनाओं को फिर से देखना पड़ सकता है। थोड़ा –थोड़ा करके मामलों को निपटाएं, इससे आगे के लिए आप

संक्षिप्त

समाचार

तिरुपति मंदिर में रिकॉर्ड 6.93 करोड़ का चढ़ावा, भक्तों की भीड़

तिरुमाला, एंजेंसी। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में चढ़ावा को लेकर नया रिकॉर्ड बना है. भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी को गुरुवार को रिकॉर्ड तोड़ 6.93 करोड़ रुपये का हुंडी चढ़ावा मिला. वहीं, इस बीच मंदिर में भक्तों की भीड़ के मद्देनजर कई कड़े कदम उठाए गए हैं. भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी को गुरुवार को रिकॉर्ड तोड़ हुंडी चढ़ावा मिला, जिसकी रकम 6.93 करोड़ रुपये थी. यह आंकड़ा बुधवार सुबह से आधी रात के बीच हुंडी में जमा हुए चढ़ावे की गिनती के बाद आया. तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के इतिहास में इससे पहले सिर्फ तीन बार ही ऐसा हुआ है जब एक ही दिन में हुंडी चढ़ावा 6 करोड़ रुपये से ज्यादा का चढ़ावा मिला. रिपोर्ट्स बताती है कि यह नया रिकॉर्ड कुछ अनजान भक्तों के दिए गए बड़े योगदान की वजह से बना है. इस बीच तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने गुरुवार को घोषणा की कि मंदिर में आने वाले भक्तों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी के कारण रविवार के लिए वीआईपी ब्रेक दर्शन कैसिल कर दिए गए हैं. अभी, 'सर्व दर्शन' के लिए भक्तों की भारी भीड़ है, 'सर्व दर्शन' में 24 घंटे लगा रहे है. इस महीने की 12 से 14 तारीख तक लगातार छुट्टियों के कारण भीड़ और बढ़ने की उम्मीद है. इसे देखते हुए, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने 13 तारीख के लिए ब्रेक दर्शन कैसिल करने की घोषणा की. वह टाइम स्लॉट आम भक्तों के लिए होगा. इसलिए शनिवार को भक्तों से कोई सिकारिशी पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

तमिलनाडु के वेल्लोर में निर्माणाधीन चर्च की छत गिरी, तीन की मौत, 11 घायल

वेल्लोर, एंजेंसी। तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश की सीमा के पास एक गांव में निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 11 लोग घायल हो गए. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जानकारी के अनुसार काटपाडी के पास एक चर्च के निर्माण कार्य के दौरान मचान गिरने से पिता और पुत्र सहित 3 लोगों की मौत हो गई. तमिलनाडु-आंध्र सीमा के पास वेल्लोर जिले में मंथीकुणपुरम गाँव में हादसा हुआ. गाँव में एक नए चर्च का निर्माण कार्य प्रगति पर है. कथित तौर पर 30 से अधिक श्रमिक चर्च की छत के लिए कंक्रीट बिछाने के काम में लगे हुए थे. कल (10 सितंबर), जब छत का काम हमेशा की तरह चल रहा था, अचानक मचान गिर गया. नतीजतन कंक्रीट मिश्रण और निर्माण सामग्री श्रमिकों पर गिर गई, जिससे कई मलबे में फंस गए. यह देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें बचाने की कोशिश की. फायर ब्रिगेड और पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई. वेल्लोर, काटपाडी और चित्तूर के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को बचाया और चार को वेल्लोर सरकारी अस्पताल और तीन को इलाज के लिए सीएमएस अस्पताल में भर्ती कराया. हादसे में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है. मृतकों की पहचान इमैनूएल, सेमुअल और जॉन के रूप में हुई है. जॉन और इमैनूएल दोनों बेंगलुरु कर्नाटक के रहने वाले थे. जांच में पता चला कि जॉन कस्टुडियन के काम के लिए सेंटरिंग कोंट्रैक्टर के तौर पर आया था और इमैनूएल उसका बेटा था. यह भी कहा जा रहा है कि सेमुअल एक कर्मचारी था।

गढ़चिरौली से होगी देश की वलीन ग्रीन स्टील क्रांति: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

गढ़चिरौली , एंजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि विदर्भ में माइनिंग के जरिए भारत की आर्थिक वृद्धि का मुख्य इंजन बनने की क्षमता है। यह ‘विकासित भारत 2047’ के विजन में अहम योगदान दे सकता है। गढ़चिरौली में माइनिंग सेक्टर में एक नया इकोसिस्टम उभर रहा है, जिससे देश में पहली ‘वलीन ग्रीन स्टील क्रांति’ की शुरुआत हो रही है। मुख्यमंत्री ‘द इस्टीमेट्यूशन ऑफ इजीनियर्स’ (इडिया) के नागपुर लोकल सेंटर द्वारा आयोजित माइनिंग इंजीनियर्स के दो-दिवसीय 36वें राष्ट्रीय सम्मेलन और ‘माइनिंग फॉर विकसित भारत 2047’ पर एक राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने माइनिंग सेक्टर में नई रिसर्च को दिखाने वाली एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। विदर्भ की भरपूर खनिज संपदा, खासकर गढ़चिरौली में आयरन और (लौह अयस्क) के भंडार का जिक्र करते हुए।

सर्वाइकल कैंसर से बेटियों को बचाने में कैंसर यूपी, एमपी और बिहार सबसे आगे; देश में 80 लाख से अधिक को लगी वैक्सीन

नई दिल्ली, एंजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान में यूपी, एमपी और बिहार समेत कई राज्यों ने शानदार सफलता हासिल की है. महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) वैक्सीन की एकल खुराक बीमारी से बचाने के लिए फरवरी 2026 में लॉन्च हुए इस अभियान के तहत देश भर में अब तक 80 लाख से अधिक लड़कियों को एचपीवी वैक्सीन दी जा चुकी है।

उत्तर प्रदेश 22 लाख से अधिक किशोरियों के टीकाकरण के साथ देश का टॉप परफॉर्मर बनकर उभरा है. उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने अपने तय लक्ष्य में शत-प्रतिशत (100%) कवरेज हासिल किया है. इसके साथ ही बिहार ने भी अपनी 90 प्रतिशत से अधिक लक्षित आबादी का टीकाकरण कर देश के सबसे

ब्रिक्स सम्मेलन भारत के वैश्विक नेतृत्व को और मजबूत करेगा: भाजपा

नई दिल्ली, एंजेंसी। दिल्ली के

भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर भाजपा नेताओं ने उम्मीद जताई है कि इस महत्वपूर्ण आयोजन से पूरी दुनिया को सकारात्मक संदेश मिलेगा। नेताओं का कहना है कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत में हो रहा यह सम्मेलन कई मायनों में महत्वपूर्ण है। आईएनएस से बातचीत में भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि वैश्विक दृष्टिकोण से ब्रिक्स सम्मेलन बेहद अहम है, क्योंकि पश्चिमी देशों में तनाव का माहौल बना हुआ है। ईरान, रूस, सऊदी अरब, यूएई समेत कई देश इस सम्मेलन का हिस्सा हैं। ऐसे वैश्विक हालात में भारत की अध्यक्षता में आयोजित हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन से पूरी दुनिया को सकारात्मक संदेश की उम्मीद है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भारत दौरे को लेकर अजय आलोक ने कहा कि उनके भारत आने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत होना स्वाभाविक है। पिछले दो-तीन वर्षों में भारत और चीन के संबंधों में काफी सुधार हुआ है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और व्यापार घाटे को कम करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। इन विषयों



पर बातचीत भारत के लिए सकारात्मक पहल होगी। अजय आलोक ने कहा कि ब्रिक्स का अस्तित्व ही बदलती हुई विश्व व्यवस्था का संकेत है। ब्रिक्स की स्थापना वैश्विक सहयोग और मानवता को केंद्र में रखकर की गई थी और यह संगठन अब दो दशक पूरे कर चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और सहयोग बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। भाजपा सांसद मुकेश राजपूत ने कहा कि भारत द्वारा 18वें ब्रिक्स सम्मेलन के मेजबानी करना देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक

भूमिका को दर्शाता है। भारत अब दुनिया के अन्य देशों से किसी भी स्तर पर कमजोर नहीं है और देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के प्रतिनिधि भारत आकर देश की नई तकनीक और विकास की दिशा को करीब से देखेंगे।

भाजपा सांसद प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि जी20 सम्मेलन के दौरान पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर आकर्षित हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर खुद को एक महत्वपूर्ण नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया है। ऐसे समय में ब्रिक्स सम्मेलन का दिल्ली में आयोजित होना महत्वपूर्ण है। दुनिया के कई देश अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। ब्रिक्स सम्मेलन के बाद नए वैश्विक समीकरण सामने आ सकते हैं और भारत तथा ब्रिक्स के सदस्य देश मिलकर एक नई वैश्विक शक्ति के रूप में उभर सकते हैं।

भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया की नजरें भारत पर हैं। दुनिया के कई बड़े नेता भारत आ रहे हैं, जिससे देश का मान-सम्मान बढ़ रहा है और भारत वैश्विक चर्चा का केंद्र बना हुआ है। ब्रिक्स

एक मजबूत संगठन है और इसमें भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति की सराहना करते हुए कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जैसे नेताओं का भारत आना देश की बढ़ती वैश्विक भूमिका को दर्शाता है। भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने ब्रिक्स सम्मेलन को भारत के लिए एक बड़ा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि भारत अपनी क्षमता के अनुरूप वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है और पूरी दुनिया की नजरें इस सम्मेलन के बीच व्यापारिक संबंध महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के सदस्य देशों की संयुक्त आर्थिक ताकत काफी बड़ी है और ऐसे में आपसी कारोबार को बढ़ावा देने तथा व्यापार में स्थानीय मुद्दों के इस्तेमाल पर चर्चा हो सकती है। ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार में डॉलर पर निर्भरता कम करने जैसे विषयों पर भी गंभीर विचार-विमर्श की उम्मीद है। यह सम्मेलन वैश्विक व्यापार व्यवस्था में आने वाले बदलावों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

नागालैंड के सीएम रियो और डिप्टी सीएम पैटन ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, राज्य के मामलों पर चर्चा की



नई दिल्ली, एंजेंसी। नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस संबंध में अधिकारियों ने जानकारी दी। मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'हमने गृह मंत्री शाह से मुलाकात की और नागालैंड की विकास संबंधी आकांक्षाओं को तेजी से पूरा करने के लिए उनके हस्तक्षेप और समर्थन का अनुरोध किया। नागालैंड की प्रगति और विकास के लिए उनके निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए हम आभारी हैं।' उपमुख्यमंत्री पैटन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'नई दिल्ली में मुख्यमंत्री डॉ. नेफ्यू रियो के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। हमने नागालैंड से जुड़े मामलों पर साफ चर्चा की, जिसमें राज्य की विकास प्रार्थनामकताएं और हमारे लोगों का कल्याण और उनकी आकांक्षाएं शामिल थीं। नागालैंड के प्रति समय देने और निरंतर ध्यान बनाए रखने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री

का आभार। इस बीच, नागालैंड विधानसभा ने पिछले सप्ताह सर्वसम्मति से एक सरकारी प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र से राज्य में वर्तमान में लागू 'प्रोटेक्टेड एरिया रीमिट' (पीएपी) व्यवस्था की तत्काल समीक्षा करने और इसे वापस लेने तथा पहले दी गई छूट को बहाल करने का आग्रह किया गया। 14वीं नागालैंड विधानसभा के 9वें सत्र के दौरान, केंद्र सरकार से नागालैंड में वर्तमान में लागू पीएपी व्यवस्था की तत्काल समीक्षा करने और इसे वापस लेने तथा पहले लागू रही छूट को बहाल करने का आग्रह करने वाला प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। उपमुख्यमंत्री पैटन (जिनके पास गृह और सीमा मामलों का विभाग भी है) द्वारा पेश और सदन द्वारा सर्वसम्मति से पारित इस प्रस्ताव में नागालैंड के शांतिपूर्ण माहौल और पर्यटन, संस्कृति, निवेश, उद्यमिता और अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के लिए इसकी बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। सदन ने माना कि पर्यटन, सेवा और रचनात्मक क्षेत्रों के साथ-बढ़ी उपशोष से युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनकर उभरा है।

पीएम के नाराज फूफा वाले तंज के बाद भाजपा और कांग्रेस में सियासी हमलों का नया दौर शुरू

नई दिल्ली , एंजेंसी। भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी हमलों का नया दौर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नाराज फूफा' वाले तंज के बाद से शुरू हो गया है. इसके बाद जहां भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का राहुल गांधी को 'राहुल मिया' कहना राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गया है. वहीं कांग्रेस और भाजपा के बीच एक बार फिर विशेषणों और व्यक्तिगत हमलों का सिलसिला तेज हो गया है. प्रधानमंत्री ने हाल के कार्यक्रमों में विपक्ष को 'नाराज फूफा' कहा. उन्होंने कहा था कि देश में विकास के हर काम पर कुछ लोग हमेशा नाराज रहते हैं. स्टैब्यू ऑफ यूनिटी. वंदे भारत, फ्रंट कॉरिडोर या बुलेट ट्रेन जैसे प्रोजेक्टों पर भी वे शिकायत निकालते हैं. उन्होंने फ्रंट कॉरिडोर का उदाहरण देते हुए कहा कि अब नाराज फूफाजी पुछेंगे कि ट्रक ड्राइवरों का क्या होगा. अब



भाजपा ने इस तंज को आगे बढ़ाते हुए एक व्या्यात्मक वीडियो भी जारी किया है. नितिन नबीन ने प्रधानमंत्री के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि विपक्ष की स्थिति परिवार के उस सदस्य जैसी है जो हर बात पर नाराज रहता है. उन्होंने दावा किया कि विकासित भारत 2047 का लक्ष्य पूरा होगा, विपक्ष किन्तु भी विरोध करे. इसपर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जवाब दिया कि मोदी जी हर साल विपक्ष को नया विशेषण देते हैं-

नाराज फूफा, दिमागी नक्सल, अबन नक्सल, खान मार्केट गैंग. विशेषण बदलते रहते हैं लेकिन सरकार की नीतियां नहीं बदलतीं. उनका आरोप है कि ये सब अपनी नाकामियों से ध्यान हटाने की कोशिश है. सिलसिला यहीं नहीं रुका है, इसके बाद नितिन नबीन ने हल्द्वानी में वंदे मातरम विवाद का जिक्र करते हुए राहुल गांधी को 'राहुल मिया' कहा. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वंदे मातरम का महत्व समझ नहीं सकते क्योंकि वे

विदेशी संस्कृति में पले-बढ़े हैं. जिस गीत की गूंज पर लाखों लोगों ने बलिदान दिया, उसका पूरा गान करने से कांग्रेस अपमानित महसूस करती है. इस पर कांग्रेस ने तुरंत जवाब दिया. कार्यकर्ताओं ने कई जगहों पर नितिन नबीन का पुतला फूँका. पार्टी का कहना है कि 1937 में कांग्रेस वर्किंग कमेट्री ने महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह पर वंदे मातरम के केवल दो पद गाने का फैसला लिया था. कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा हर मुद्दे को राजनीतिक हथियार बना रही है. उधर भाजपा ने कांग्रेस पर ब्रिक्स समिट की आलोचना को लेकर भी 'नाराज फूफा' का तमगा लगा दिया है. नितिन नबीन ने कहा कि जी-20, एआई समिट और अब ब्रिक्स-हर बड़ी उपलब्धि पर कांग्रेस को दर्द होता है।

गुजरात: दो मालवाहक जहाजों में भीषण टक्कर, तटरक्षक बल ने बचाई 21 जिन्दगियां; समुद्र में कैसे टला बड़ा हादसा



अहमदाबाद, एंजेंसी। गुजरात के समुद्री तट से एक बेहद गंभीर और बड़ा हादसा सामने आया है, जहां कांडला के बाहरी लंगरहाह के पास दो मालवाहक जहाजों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण समुद्री दुर्घटना की सूचना मिलते ही भारतीय तटरक्षक बल ने तुरंत मोर्चा संभाला और बिना किसी देरी के राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। तटरक्षक बल के जवानों ने अत्यधिक तेजी और मुस्तेदी दिखाते हुए एक मालवाहक जहाज पर सवार कुल चौबीस चालक दल के सदस्यों में से इक्कीस सदस्यों को सकुशल और सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एकस पर इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन और उड़ाए गए सुरक्षा कदमों की आधिकारिक जानकारी दी है।

क्या है गुजरात तट पर जहाजों की टक्कर की पूरी घटना : भारतीय तटरक्षक बल के अनुसार यह दुर्घटना कांडला के आउटर एंकरेज यानी ओटीबी कांडला के नजदीक गहरे समुद्र में हुई। इस हादसे में दो बड़े व्यापारिक जहाज 'एमवी कैमैक्स एम्पर' और 'एमवी टू मेरिनर' आपस में टकरा गए। दोनों जहाजों की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जहाज पर मौजूद नाविकों की जान पर बन आई। सूचना मिलते ही तटरक्षक बल की

विशेष टीमें बचाव नौकाओं के साथ मौके पर पहुंची और तेजी से कार्रवाई शुरू करते हुए 'एमवी कैमैक्स एम्पर' में फंसे इक्कीस नाविकों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल की।

कैसे चलाया गया तेज और सुरक्षित बचाव अभियान : तटरक्षक बल ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए बिना समय गंवाए तेज बचाव अभियान चलाया। समुद्र की तेज लहरों और टक्कर के बाद बने जोखिम भरे हालात को देखते हुए बिना किसी केमैक्स एम्पर जहाज तक पहुंच बनाई। नाविकों को सुरक्षित निकालने के लिए पेशेवर तरीके से निकासी प्रक्रिया पूरी की गई। इस त्वरित कार्रवाई के चलते इक्कीस चालक दल के सदस्यों को बिना किसी बड़े नुकसान के सुरक्षित बचा लिया गया, जिससे समुद्र में एक बहुत बड़ी जहनानि होने से समय रहते बच गई। तटरक्षक बल ने स्पष्ट किया कि यद्यपि इक्कीस नाविकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है, लेकिन एमवी कैमैक्स एम्पर पर अभी भी चालक दल के तीन सदस्य मौजूद हैं। ये तीन सदस्य पोत के आवश्यक तकनीकी संचालन को चालू रखने और जरूरी सहायता प्रदान करने के लिए जहाज पर ही रुके हुए हैं।

बेंगलुरु जेल में प्रज्वल रेवन्ना तक मोबाइल वार्डर ने पहुंचाया, तीन मामलों में नौ गिरफ्तार

बेंगलुरु, एंजेंसी। बेंगलुरु पुलिस ने परपना अग्रहारा केंद्रीय जेल के अंदर प्रतिबंधित मोबाइल फोन की अवैध आपूर्ति और इस्तेमाल से जुड़े तीन मामलों का भंडाफोड़ करते हुए दो जेल वार्डरों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में एक कथित नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिसके जरिए एक वार्डर ने मोबाइल फोन जेल में पहुंचाया, जबकि एक अंडरट्रायल कैदी के माध्यम से सिम कार्ड अंदर लाया गया। पुलिस ने 11 अप्रैल को हुई एक औचक जांच में अंडरट्रायल कैदी प्रताप राय और दोषी करार दिए गए पूर्व जेडी (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना के बैक से बरामद मोबाइल फोन, सिम कार्ड, चार्जर और एक नोटबुक से जुड़े दृष्ट्यों का भी पता लगाया। पुलिस के अनुसार, मोबाइल फोन को कथित तौर पर वार्डर के जरिए जेल में पहुंचाया गया था, जबकि सिम कार्ड एक अंडरट्रायल कैदी के माध्यम से अंदर लाया गया था। आरोप है कि इस मोबाइल और सिम का इस्तेमाल राय और प्रज्वल रेवन्ना ने किया। पुलिस ने बताया



कि जांच के विभिन्न चरणों में मोबाइल फोन और सिम कार्ड खरीदने तथा उन्हें जेल तक पहुंचाने में मदद करने वाले पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। तकनीकी आंकड़ों और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर जांचकर्ताओं ने उस कथित रास्ते का पता लगाया, जिसके जरिए प्रतिबंधित उपकरण जेल के अंदर पहुंचे। राय और रेवन्ना को 8 सितंबर को अदालत में पेश किया गया था और मामले में पूछताछ के लिए तीन दिन की पुलिस हिरासत में लिया गया था। 10 सितंबर को अदालत के आदेश के बाद दोनों को फिर से जेल भेज दिया गया।

मुंबई: महिला ने सत्ता करोड़ का घर बेचने के लिए जिंदा पति को किया मृत घोषित, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई , एंजेंसी। मुंबई में एक महिला ने अपने भले-चंगे पति को कागजों में मरा हुआ दिखा दिया। उसने नकली डेथ सर्टिफिकेट, झूठा एफिडेविट और सोसाइटी का फर्जी एनओसी बनवाकर दोनों के नाम वाला फ्लैट बेच डाला। इतना ही नहीं, उसी फ्लैट पर 1 करोड़ 11 लाख रुपये का लोन भी पास करा लिया गया। जब इस पूरे खेल का पता खुलासा हुआ, तो पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है मामला : यह मामला बोरीवली के एल. एम. रोड पर बनी राज विला कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी का है। मुंबई के एक नामी होटल में काम करने वाले रयान क्रास्टा ने साल 2007 में शालिनी डायना क्रास्टा से शादी की थी। शादी

के कुछ वर्षों बाद साल 2016 में, दोनों ने मिलकर 73 लाख 80 हजार रुपये में एक बेडरूम का फ्लैट खरीदा था। यह घर खरीदने के लिए दोनों ने बैंक से करीब 56 लाख रुपये का लोन लिया था। रयान के मृतान्विक, वे हर महीने लोन की किस्तें टाइम पर भर रहे थे और फ्लैट दोनों के नाम पर रजिस्टर्ड था। हालांकि, बाद में पति-पत्नी के बीच झगड़े होने लगे और दोनों अलग-अलग रहने लगे।

ऐसे रची गई साजिश : इस धोखाधड़ी की पोल मई 2026 में खुली। रयान के दोस्त प्रसाद पाताड़े ने उन्हें बताया कि बोरीवली वाला उनका फ्लैट एक प्राइवेट बैंक में गिरवी रखा हुआ है। यह बात सुनते ही रयान के होश उड़ गए। उन्हें यह भी पता चला

कि उस फ्लैट को गिरवी रखकर धर्मेश जगदीश तन्ना और उनकी पत्नी धारा धर्मेश तन्ना के नाम पर 1 करोड़ 11 लाख रुपये का लोन पास कराया गया है। मामले की सच्चाई जानने के लिए रयान अपनी मां को साथ लेकर उस प्राइवेट बैंक पहुंचे। बैंक से मिली जानकारी ने पूरा सच सामने रख दिया। पता चला कि शालिनी ने 11 अप्रैल 2025 को कागजात बनवाकर फ्लैट तन्ना परिवार को बेच दिया था। इस खरीद-बिक्री को सही साबित करने के लिए शालिनी ने रयान का नकली डेथ सर्टिफिकेट बनवा लिया था। इसके बाद एक झूठा एफिडेविट भी जमा किया गया, जिसमें शालिनी ने खुद को रयान का इकलौता कानूनी वारिस बताया था। पुलिस की छानबीन में यह

भी सामने आया कि फ्लैट बेचने के लिए सोसाइटी का फर्जी एनओसी तैयार किया गया था। रयान ने जब यह एनओसी सोसाइटी के अध्यक्ष गौतम पुरोहित, सचिव पूजा पाताड़े और खजांची एस. पाटिल को दिखाया, तो उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई एनओसी दिया ही नहीं है। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला है कि शालिनी को तन्ना परिवार से फ्लैट बेचने के बदले 1 करोड़ 11 लाख रुपये मिले थे। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नकली डेथ सर्टिफिकेट, झूठा एफिडेविट और सोसाइटी का फर्जी एनओसी बनवाने में शालिनी की मदद किस-किसने की थी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है।



उपलब्धि बेहद महत्वपूर्ण है. साथ ही, घनी आबादी वाले शहरी इलाकों और ग्रामीण क्षेत्रों, दोनों जगहों पर लाभार्थियों तक पहुंचना एक बड़ी चुनौती थी, जिसे राज्य ने सफलतापूर्वक पूरा किया है।

चार राज्यों ने हासिल की 100 प्रतिशत लक्ष्य : इस अभियान के तहत गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और मिजोरम में चिन्हित किए गए लक्षित समूहों का शत-प्रतिशत टीकाकरण दर्ज किया

गया है. इन राज्यों को यह सफलता लगातार सामाजिक जागरूकता, स्वास्थ्य विभागों के बीच बेहतर तालमेल और जमीनी स्तर पर किए गए केंद्रित प्रयासों का परिणाम है। इसी वजह से पात्र किशोरियों को इस टीकाकरण कार्यक्रम से जोड़ना संभव हो पाया।

बिहार, आंध्र प्रदेश और असम 90 प्रतिशत के पार : बिहार, आंध्र प्रदेश और असम ने अपनी चिन्हित लक्षित आबादी का

ओडिशा टी-20
लीग 2026

कटक। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को 'ओडिशा टी 20 लीग' 2026 सीएम ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह टूर्नामेंट 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा। इन दो पूर्व भारतीय क्रिकेटरों की नियुक्ति से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ जाएगी। इस टूर्नामेंट का मकसद ओडिशा के युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपना हुनर दिखाने और कीमती अनुभव हासिल करने का मंच देना है। इस टूर्नामेंट में कुल छह टीमों में भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटन्स, क्योडर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैथर्स हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 20 सितंबर को होगी, जिसमें पहला मैच संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैथर्स के बीच खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में लीग-स्टेज और नॉकआउट मैच होंगे। च्वाइंटस टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम को बाराबती स्टेडियम में होने वाले फाइनल में सीधे जगह मिलेगी। इस स्टेडियम में पहले भी इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों में क्वालीफायर में एक-दूसरे का सामना करेंगी और जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। 28 सितंबर को महिलाओं का एक एग्जीक्यूशन मैच भी खेला जाएगा, जो क्रिकेट फैंस के लिए एक और आकर्षण होगा। 'ओडिशा टी 20 लीग' लीग 2026 सीएम ट्रॉफी का ग्रैंड फाइनल 29 सितंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दो बेहतरीन टीमों के खिलाफ के लिए भिड़ेंगी।

लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर सुरेश रैना ने कहा, 'छह टीमों एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी, जिससे 10



दिनों तक रोमांचक और जबरदस्त क्रिकेट देखने को मिलेगा। यह खिलाड़ियों के लिए अपना हुनर दिखाने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को साबित करने का एक शानदार मंच होगा। अपनी तारीखें नोट कर लें और एक ब्लॉकबस्टर टूर्नामेंट के लिए तैयार हो जाएं। जय जगन्नाथ।' देबाशीष मोहंती ने भी ऐसी ही भावनाएं जाहिर कीं और कहा, 'ओडिशा में क्रिकेट फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है।' 'ओडिशा टी 20 लीग' सीएम ट्रॉफी 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेली जाएगी, जिसमें छह

टीमों के खिलाफ के लिए मुकाबला करेंगी। यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स दिखाने और दबाव वाले माहौल में खेलने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म देगा। मैं इस टूर्नामेंट को आयोजित करने की कोशिशों के लिए ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन का शुक्रगुजार हूँ। मुझे यकीन है कि यह लीग फैंस के लिए बहुत रोमांचक क्रिकेट और यादगार पल लेकर आएगी। मैं सभी से गुजारिश करता हूँ कि वे तारीखें नोट कर लें और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए जरूर आएँ। जय जगन्नाथ।' ओसीए सेक्रेटरी संजय बेहरा ने भी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के जुड़ने का स्वागत करते हुए कहा, 'ओडिशा टी 20 लीग' सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती जैसे बेहतरीन भारतीय क्रिकेटरों का जुड़ना सम्मान की बात है। उनके जुड़ने से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ेगी और ओडिशा के युवा क्रिकेटरों को बड़े सपने देखने और इस प्लेटफॉर्म पर अपना टैलेंट दिखाने की प्रेरणा मिलेगी।'

ओसीए सेक्रेटरी संजय बेहरा ने भी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के जुड़ने का स्वागत करते हुए कहा, 'ओडिशा टी 20 लीग' सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती जैसे बेहतरीन भारतीय क्रिकेटरों का जुड़ना सम्मान की बात है। उनके जुड़ने से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ेगी और ओडिशा के युवा क्रिकेटरों को बड़े सपने देखने और इस प्लेटफॉर्म पर अपना टैलेंट दिखाने की प्रेरणा मिलेगी।'

भारत-श्रीलंका 7वीं बार आज खेलेंगे फाइनल मुकाबला



नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच 13 सितंबर यानी रविवार को खेला जाएगा। महिला एशिया कप के इतिहास में ये 7वां मौका होगा जब खिताबी जीत के लिए भारत और श्रीलंका की टीम आमने-सामने

होंगी। इससे पहले भारत और श्रीलंका के बीच 6 बार फाइनल मुकाबले खेले जा चुके हैं जिसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने इस बार बांग्लादेश और श्रीलंका ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

7वीं बार खेलेंगे फाइनल

भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप में 7वीं बार फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 6 फाइनल खेले जा चुके हैं जिसमें से भारत को 5 बार जीत मिली जबकि श्रीलंका ने एक बार भारत के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारत और श्रीलंका के बीच 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 और 2024 फाइनल में भिड़त हुई थी जिसमें से भारत ने 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 के फाइनल में श्रीलंका को हराया था। वहीं श्रीलंका की टीम ने साल 2024 के फाइनल में भारत को हराया था। अब दोनों देश 2026 में एक बार फिर से फाइनल में खेलते हुए नजर आएंगे। इस बार महिला एशिया कप का 10वां सीजन खेला जा रहा है। महिला एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी और पिछले 9 सीजन में भारत 7 बार चैंपियन बन चुका है। भारत ने साल 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2012, 2016, 2022 में चैंपियन बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी।



पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका ने कटाया फाइनल का टिकट



दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने फाइनल में जगह बना ली है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका की बल्लेबाजी ने पाकिस्तान से मिले 131 रनों के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल किया। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कसान वमारी अटापट्ट 5 रन बनाकर फातिमा सना का शिकार बनी। सजना कविदी बिना खाता खोले पवेलियन लौटी। हसीना परेरा सिर्फ 3 रन ही बना सकी। इमेशा दुलानी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाई और 21 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुईं। हार्षिता समरविक्रमा ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 36 रनों की अहम पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए। कविशा दिलहारी ने 33 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में नीलाक्षी डी सिल्वा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 10 गेंदों में 3 चौकों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए, जबकि कौशानी नुथ्यंगना 4 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रही। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर नीलाक्षी ने फातिमा सना की गेंद पर चौका लगाते हुए श्रीलंका को फाइनल का टिकट दिलाया। इससे पहले, टींस गवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

● एशियन गेम्स 2026 से पहले भारत को झटका



3 एथलीट भारतीय दल से बाहर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट से पहले भारत को एक और झटका लगा है। हाल ही में जहां भारत के दो रेसलर डोपिंग के कारण बाहर हो गए थे। वहीं अब तीन स्प्र एथलीट भारतीय दल से बाहर हो गए हैं। खास बात यह है कि इन तीन एथलीट में से एक नाम है भारत की स्प्र महिला जैवलिन थ्रोअर अन्नू रानी का जिन्होंने 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

आपको बता दें पिछली बार की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी समेत उभरते हुए लॉंग जम्प एथलीट शहनवाज खान और रेसर नित्या गांधे को प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों के चलते भारत की एशियाई खेलों की एथलेटिक्स टीम से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही जापान जाने वाली भारतीय ट्रैक एंड फील्ड टीम की संख्या घटकर 74 रह गई है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इससे पहले आगामी एशियाई खेलों के लिए 77 एथलीटों का

चयन किया था। बुध्तिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फाइनल के बाद टीम में बदलाव किया गया। इस प्रतियोगिता को अंतिम पुष्टि के लिए चयन ट्रायल के तौर पर आयोजित किया गया था। एएफआई चयन समिति के अध्यक्ष अदिल सुमरियाला ने पीटीआई से कहा, 'अन्नू ने बुध्तिवार को हुए अंतिम ट्रायल में एएफआई द्वारा निर्धारित क्वालीफाइंग मार्क हासिल नहीं किया, इसलिए उन्हें एशियाई खेलों के लिए

नहीं चुना गया।' उन्होंने कहा, 'नित्या और शहनवाज खराब प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों से एशियाई खेलों में नहीं जाएंगे।'

तीनों खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने का फैसला शुक्रवार को एएफआई चयन समिति की ऑनलाइन बैठक में लिया गया। अब भारतीय एथलेटिक्स टीम के 74 सदस्य शनिवार को नयी दिल्ली से जापान के लिए रवाना होंगे।

यूएसओपन: करेनखाचानोवकोदीमात

अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला।

रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें। खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

टाई-ब्रेक हिममत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए। खाचानोव ने मैच



का अपना सबसे अच्छा टेनिस खेला था, फिर भी ज्वेरेव ने दबाव वाले क्षणों में भी धैर्य से खेल बढ़ाया। तीसरा सेट भी छोटे-छोटे अंतरों की लड़ाई थी। ज्वेरेव पहले 5-4 और बाद में 6-5 से आगे थे। लेकिन खाचानोव ने दोनों बार गेम बनाए रखा और एक और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

‘मैं ज्यादा कुछ नहीं कर सकती’, वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर एक का ताज छीनने के बाद बोलीं सबालेका

न्यूयॉर्क। एलेना रिबाकिना विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने बेलारूस की आर्याना सबालेका की बादशाहत को खत्म करते हुए नंबर एक की कुर्सी हासिल की। सबालेका ने नंबर एक की पीजीशन गंवाने के बाद कहा कि वह इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं। एलेना रिबाकिना और आर्याना सबालेका रविवार को यूएस ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी। दोनों के बीच यह मुकाबला आर्थर एशा स्टेडियम में खेला जाएगा। सबालेका ने कहा कि दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनना बिल्कुल आसान नहीं है। उन्होंने माना कि सीजन के बीच में उनका प्रदर्शन थोड़ा गिर गया था, लेकिन नंबर एक की पीजीशन को गंवाना उन्होंने थोड़ा अजीब बताया। सेमीफाइनल में जैसिका पेगुला को हराने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैं अच्छी तरह समझती हूँ कि वर्ल्ड नंबर 1 तक पहुंचना कितना मुश्किल है।



● अन्नू रानी ने 2022 में जीता था स्वर्ण पदक

सार-समाचार

अमेजन वॉरियर्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया

गुयाना। कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 33वां मुकाबला प्रोविडेंस स्टेडियम में त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। अमेजन वॉरियर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और त्रिनबागो को 6 विकेट से हरा दिया। अमेजन के लिए शे होप ने नाबाद 42 रन बनाए। अमेजन वॉरियर्स ने जीत के लिए मिले 127 रन के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अमेजन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज शे होप ने 35



गेंदों पर नाबाद 42 रन की की पारी खेली। होप ने जस्टिन ग्रीव्स को चौका और छक्का लगाते हुए मैच खत्म किया। होप ने अपनी पारी में 2 छक्का और 1 चौका लगाया। इसके अलावा, शिमरोन हिटमायर ने 28, मानवेंद्र दिनदयाल ने 19, विक्टन सेपसन ने 12 और ग्लेन फिलिप्स ने 11 रन बनाए। त्रिनबागो के लिए सुनील नरैन ने बेहद किराफती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए मात्र 13 रन देकर 1 विकेट लिए। उस्मान तारिक ने 4 ओवर में 19 रन देकर 1 और लाहिर कुमार ने 4 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट लिए। अकील हुसैन ने भी 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिया। सुनील नरैन और उस्मान तारिक की किराफती गेंदबाजी भी त्रिनबागो को हार से नहीं बचा सकी। टीम को स्कोर बोर्ड पर कम रन होने का खामियाजा भुगतना पड़ा। इससे पहले टींस गवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 8 विकेट पर 126 रन बनाए थे। जस्टिन ग्रीव्स ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कॉलिन मुनरो ने 16 गेंदों पर 26, और एलेक्स हेल्स ने 26 गेंदों पर 22 रन बनाए। अकील हुसैन ने 12 और किरोन पोलार्ड ने 10 रन बनाए। गुयाना अमेजन वॉरियर्स की तरफ से मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट लिए। शमार जोसेफ ने 2, जबकि इवैन फिटोरियस और कसान इमरान ताहिर ने 1-1 विकेट लिए।

कॉनर एस्टरहुइजेन ने खेली शतकीय पारी

साउथ अफ्रीका ने दूसरे वनडे में नामीबिया को 157 रनों से रौंदा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने नामीबिया को दूसरे वनडे मुकाबले में 157 रनों से रौंदा। साउथ अफ्रीका से मिले 336 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की पूरी टीम 178 रन बनाकर ऑलआउट हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के दोनो सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिगेन और मालन क्रूगर बिना खाता



खोले पवेलियन लौटे। वहीं, जेन फ्रीलिक भी बिना कोई रन बनाए आउट हुए। लॉरेन स्ट्रीनकैप भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जेन निकोल लॉफ्टी-स्टैन भी महज 6 रन बनाकर आउट हुए। नामीबिया की टीम महज 32 के स्कोर पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही थी। हालांकि, जेन ग्रीन ने कसान गेरहार्ड इरास्मस का साथ देने का प्रयास किया और छठे विकेट के लिए 27 रन जोड़े। ग्रीन 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जेन बाल्ट ने सातवें विकेट के लिए इरास्मस संग मिलकर 71 रनों की साझेदारी निभाई। बाल्ट 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इरास्मस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों में 68 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया। रुबेन टर्मेलमेन ने 27 गेंदों में 30 रन बनाए, जबकि वाल्डो रिमथ ने 10 रनों का योगदान दिया। साउथ अफ्रीका की ओर से डुआन जांसेन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 4 विकेट वटकाए। वहीं, इथन बोप ने 3 विकेट अपने नाम किए। इससे पहले, साउथ अफ्रीका की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और जॉर्डन हरमन 24 गेंदों में 20 रन बनाते के बाद आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कॉनर एस्टरहुइजेन और टोनी डी जोर्जी ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 168 गेंदों में 183 रन जोड़े। टोनी जोर्जी ने 87 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 79 रन बनाए।

बाल संरक्षण के मुद्हों पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ने ली बैठक

बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम, पॉक्सो एवं बाल संरक्षण संबंधी विषयों पर अधिकारियों के साथ की समीक्षा

सतना। मध्यप्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती निवेदिता शर्मा ने शनिवार को सतना प्रवास के दौरान बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की। उन्होंने सर्किट हाउस सतना में बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर बच्चों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में विशेष रूप से बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम, पॉक्सो अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन तथा बाल संरक्षण से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को बाल अधिकारों की सुरक्षा एवं बच्चों के हित में



संचालित गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। बैठक के पश्चात राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती निवेदिता शर्मा ने शासकीय हाई स्कूल सिविल लाइन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में साफ-सफाई व्यवस्था, उदित कॉरनर, सुझाव पेटी, पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय के कक्षों का निरीक्षण करते हुए पानी के

रिसाव एवं पुताई से संबंधित समस्याओं को भी देखा तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। आयोग की अध्यक्ष ने सीडब्ल्यूएफएसएन छात्रावास (बालिका) का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में रह रही बालिकाओं से संवाद कर उनकी दिनचर्या, सुविधाओं एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने छात्रावास में भोजन व्यवस्था का जायजा लेते हुए भोजन निर्धारित मेन्यू के अनुसार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत ब्लट कैमरों की व्यवस्था की

जानकारी ली तथा बालिकाओं के छात्रावास में आने-जाने से संबंधित रजिस्टर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण के साथ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। इस अवसर पर श्रीमती चन्द्रकिरण श्रीवास्तव, श्रीमती मंजूषा शाह, श्री राकेश तिवारी, श्रीमती अंजना तिवारी, श्री कामता पाण्डे, श्री श्याम किशोर द्विवेदी, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास सतना, डॉ. दिवाकर तिवारी एवं श्री भूपेन्द्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री 13 सितंबर को आगर मालवा से अंतरित करेंगे लाड़ली बहना योजना की 40वीं किस्त

प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में पहुंचेंगे 1,835 करोड़ रुपये

2025 से एक बार फिर 250 रुपये की वृद्धि के बाद पात्र महिला हितग्राहियों को वर्तमान में 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

योजना में ऐसी पात्र लाभार्थी महिलाओं को भी प्रावधान के अनुसार लाभ दिया जा रहा है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रतिमाह 900 रुपये प्राप्त हो रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत उन्हें अंतर की राशि उपलब्ध कराई जा रही है। जून 2023 से अगस्त 2026 तक लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 39 नियमित मासिक किस्तों का भुगतान किया जा चुका है। अब सितंबर में 40वीं किस्त अंतरित की जाएगी। इसके

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 13 सितंबर को आगर मालवा से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की सितंबर माह की 40वीं किस्त का अंतरण करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 10 हजार 150 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 09 लाख 22 हजार 450 रुपये की मासिक आर्थिक सहायता सीधे अंतरित की जाएगी। सितंबर की किस्त के साथ ही योजना के प्रारंभ से अब तक महिलाओं को नियमित मासिक सहायता के रूप में अंतरित राशि 65,395.99 करोड़ रुपये हो जाएगी।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में हुई थी। उस समय पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती थी। अक्टूबर 2023 से इसमें 250 रुपये की वृद्धि कर सहायता राशि 1,250 रुपये प्रतिमाह की गई। नवंबर

उच्च शिक्षा मंत्री आज सतना अल्प प्रवास पर आएंगे

सतना। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंद्र सिंह परमार 13 सितम्बर को प्रातः 6.30 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री परमार प्रातः 9.30 बजे सतना से पन्ना जिले के लिए प्रस्थान करेंगे। मंत्री श्री परमार इसी रात्रि 8 बजे सतना सर्किट हाउस पहुंचकर रात्रि 8.45 बजे सतना रेल्वे स्टेशन से रेवांचल एक्सप्रेस द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के सेवा और जिम्मेदारी के 25 वर्षों के प्रति आभार का प्रकटीकरण है सेवा संकल्प अभियान : मुख्यमंत्री

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पहल पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 17 सितम्बर को आ रहे जन्मदिवस पर उज्जैन स्थित महाकाल महालोक सहित संपूर्ण प्रदेश में 58 लाख आशीर्वाद के दीपक प्रज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक श्री मोदी ने गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है। प्रदेशवासियों द्वारा किया जा रहा है यह दीप प्रज्वलन प्रधानमंत्री श्री मोदी के सेवा और जिम्मेदारी के 25 वर्षों के प्रति आभार का प्रकटीकरण है। वस्तुतः हम ऐसे व्यक्तित्व को 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा का स्मरण कर रहे हैं, जिन्होंने जीवन को पद नहीं, सेवा का माध्यम माना। प्रधानमंत्री श्री मोदी की सात अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई यह सेवा यात्रा आज एक ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच रही है। इस क्रम में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा का राजनैतिक संस्कार बनाने के संकल्प के रूप में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व

में देश में गरीब कल्याण को शासन संचालन के केन्द्र में रखा। करोड़ों लोगों को मुफ्त राशन, करोड़ों परिवारों को आवास, शौचालय, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिला। इससे पहले श्री मोदी गुजरात के लंबे समय तक निर्वाचित मुख्यमंत्री रहे। कृषि, उद्योग और निवेश के साथ शासन में गति और परिणाम पर विशेष ध्यान, उनकी कार्यशैली की पहचान रही।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जिस भारत को कभी आर्थिक कमजोरी के रूप में देखा जाता था, वही भारत आज विश्व मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को मजबूती मिली है। आतंकवाद और नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की गई है। परिणामस्वरूप देशवासियों के मन में सुरक्षा और आत्मविश्वास की भावना मजबूत हुई है। स्टार्टअप, स्किट डेवलपमेंट, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों ने युवाओं को नई दिशा, नई ऊर्जा और नए अवसर प्रदान किए हैं।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

सतना। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शनिवार को बिधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये



अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है। उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

भालू के हमले में घायल ग्रामीण के लिए वन विभाग बना सहारा, 2 लाख की क्षतिपूर्ति दिलाने तक निभाया साथ

वन अमले ने सामान्य विभागीय दायित्व से आगे बढ़कर इलाज कराने, अपंगता प्रमाण पत्र बनवाने तथा केवाईसी-डीबीटी व बैंक संबंधी अड़चनें दूर कर सुनिश्चित कराया भुगतान

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमंडल की मोहन्दा रेंज में भालू के हमले से गंभीर रूप से घायल ग्राम बिलपुरा निवासी भइयन आदिवासी के लिए वन विभाग ने केवल तत्काल रेस्क्यू और उपचार को व्यवस्था ही नहीं की, बल्कि लगातार सहयोग करते हुए स्थायी अपंगता के प्रकरण में देय 2 लाख की क्षतिपूर्ति राशि दिलाने तक साथ निभाया। 22 मई को तेंदूपता संग्रहण के दौरान हुए हमले के बाद वन अमले ने तत्काल वाहन की व्यवस्था कर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रैपुरा पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय कटनी रेफर किया गया। परिक्षेत्र सहायक देवी सिंह यादव ने प्रारंभिक वाहन व्यय स्वयं वहन किया, जबकि परिक्षेत्र अधिकारी राहुल मिश्र ने अस्पताल पहुंचकर उपचार एवं परिवर्जों से समन्वय किया।



विभाग की ओर से तत्काल 2 हजार तथा बाद में उपचार के लिए 9 हजार की सहायता भी उपलब्ध कराई गई। उपचार के बाद वन अमले ने सामान्य विभागीय प्रक्रिया से आगे बढ़कर भइयन आदिवासी का स्थायी अपंगता प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जिला चिकित्सालय पन्ना से समन्वय किया। इसके बाद क्षतिपूर्ति राशि के भुगतान में बैंक खाते से जुड़ी तकनीकी

समस्याएं सामने आईं तो बीट गाड़ हरप्रसाद अहिरवार स्वयं पीड़ित को बचवार स्थित बैंक ले गए और केवाईसी-डीबीटी सक्रियण, खाते की लेनदेन सीमा बढ़ाने तथा पैन लिंक कराने जैसी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कराईं। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा वन्यप्राणी हमले से स्थायी अपंगता के प्रकरण में शासन के प्रावधानानुसार 2 लाख की क्षतिपूर्ति राशि सीधे पीड़ित के बैंक खाते में अंतरित कर दी गई। घटना के दिन जान बचाने के प्रयास से शुरू हुआ वन अमले का सहयोग क्षतिपूर्ति राशि पीड़ित तक पहुंचने तक जारी रहा। यह प्रकरण वन विभाग की संवेदनशीलता के साथ इस बात का भी उदाहरण है कि जमीनी स्तर पर सक्रिय पहल से शासन की सहायता का वास्तविक लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है।

चौमुखनाथ और श्रेयांसगिरी का मुख्य मार्ग हुआ गड्डों में तब्दील

पन्ना। पन्ना बुंदेलखंड के पन्ना जिले में स्थित ऐतिहासिक चौमुखनाथ महादेव मंदिर और श्रेयांसगिरी जैन तीर्थ को जोड़ने वाला एकमात्र मुख्य मार्ग अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। गुप्तकालीन धरोहर और प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्रों की ओर जाने वाली यह सड़क जगह-जगह से उखड़ चुकी है तथा बड़े-बड़े गड्डों में तब्दील हो चुकी है, जिससे यहां से गुजरने वाले हजारों श्रद्धालुओं की जान हमेशा खतरे में बनी रहती है। सोमवार, अमावस्या और विशेष पर्वों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ के बावजूद इस जर्जर रास्ते की सुध लेने वाला कोई नहीं है। स्थानीय मॉडिया और जनता द्वारा बार-बार आवाज उठाए जाने और प्रशासनिक अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों के लगातार इसी मार्ग से गुजरने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

वन जैव-संसाधन बन रहे आजीविका का सहारा, संवहनीय संग्रहण से सुरक्षित रहेगी गुड़मार की प्राकृतिक संपदा

शाहनगर रेंज में वनपाल ने ग्रामीणों को समझाए गैर-विनाशकारी संग्रहण के तरीके

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमंडल के शाहनगर वन परिक्षेत्र अंतर्गत बीट बोरी में मानसून गश्ती के दौरान स्थानीय आदिवासी समुदाय के कुछ सदस्य जंगल में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले औषधीय पौधे फुलकटू/गुड़मार का संग्रह करते मिले। वनपाल श्री प्रेम नारायण वर्मा द्वारा चर्चा करने पर श्री प्रीतम आदिवासी एवं श्रीमती राहुी बाई ने बताया कि गुड़मार की पत्तियां एवं तने का स्थानीय स्तर पर पारंपरिक औषधीय उपयोग किया जाता है तथा इसे संग्रहित कर स्थानीय बाजार में लगभग 260 से 270 प्रति किलोग्राम की दर से बेचा जाता है। यह उदाहरण दर्शाता है कि लघु वनोपज एवं अन्य वन जैव-संसाधन आदिवासी तथा अन्य वनाश्रित समुदायों के लिए



अतिरिक्त आय और आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बन सकते हैं। इस दौरान वनपाल द्वारा ग्रामीणों को गुड़मार के संवहनीय एवं गैर-विनाशकारी संग्रहण की विधियां भी समझाई गईं। उन्हें पूरी बेल अथवा लंबी शाखाएं काटने के बजाय केवल परिपक्व पत्तियां चुनकर तोड़ने, प्रत्येक बेल पर पर्याप्त पत्तियां छोड़ने तथा जड़ एवं

मुख्य बेल को किसी भी स्थिति में क्षति न पहुंचाने की सलाह दी गई। दक्षिण पन्ना वनमंडल का प्रयास है कि स्थानीय समुदायों को वन जैव-संसाधनों से आजीविका मिलती रहे, साथ ही वैज्ञानिक एवं सतत संग्रहण के माध्यम से जंगलों में गुड़मार जैसी उपयोगी प्रजातियों की प्राकृतिक उपलब्धता भी दीर्घकाल तक बनी रहे।

दक्षिण पन्ना की मोहन्दा रेंज में 3.5 हेक्टेयर वनभूमि अतिक्रमण मुक्त



क्षेत्रों की सतत निगरानी करते हुए वनभूमि की सुरक्षा एवं अतिक्रमण की रोकथाम के लिए नियमित कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान परिक्षेत्र सहायक मोतीबोल श्री भातुप्रताप सिंह, वनपाल श्री जयप्रकाश नारायण दुबे, श्री गोविन्द प्रजापति एवं श्री हरप्रसाद अहिरवार तथा वनरक्षक श्री ओमप्रकाश सिंह, श्री रजनीश चौधरी, श्री अभिनव पाण्डेय, श्री राम कृपाल अहिरवार, श्री अरविंद विश्वकर्मा, श्री गौरव दीक्षित, श्री प्रकाश प्रजापति एवं श्री अजयप्रताप सिंह सहित सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे। वन अमले द्वारा संबंधित क्षेत्र की निगरानी आगे भी निरंतर जारी रखी जाएगी।

दक्षिण पन्ना की वनकर्मी रंजना नागर का वन्यजीव संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान के लिए भोपाल में सम्मान

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया एवं प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में 50,000 की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

पन्ना। भोपाल में आज दिनांक 10 सितम्बर 2026 को डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया एवं प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दक्षिण पन्ना वनमंडल के रैपुरा परिक्षेत्र में पदस्थ परिक्षेत्र सहायक श्रीमती रंजना नागर को वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित मछली अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें 50,000 की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान दक्षिण पन्ना वनमंडल के साथ ही पूरे पन्ना जिले के लिए गौरव का विषय है।

भोपाल के जहानुमा पैलेस होटल में आयोजित समारोह में मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामनिवास रावत तथा डॉ. समीता राजौरा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक, मध्यप्रदेश द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह में श्री वी.एस. अग्निगोरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक; श्री सुदीप सिंह, सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड; सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी श्री सुहास कुमार एवं श्री एच.एस. नेगी; श्री रशीद किदवाई, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया एवं



वन संरक्षक; श्री सुदीप सिंह, सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड; सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी श्री सुहास कुमार एवं श्री एच.एस. नेगी; श्री रशीद किदवाई, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया एवं

मोबाइल चार्जर का करंट लगने से 4 वर्षीय मासूम की मौत

पर्वई। पर्वई थाना अंतर्गत ग्राम हड़्डा में शुक्रवार की सुबह एक हृदय विदारक घटना घटित हो गई जिसमें एक मासूम की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि हड़्डा निवासी गोपाल सिंह यादव की बेटी और उसका चार वर्षीय नाती तांशू पिता वृजधान यादव निवासी सुनपुरा रक्षाबंधन पर्व पर आए हुए थे।शुक्रवार की सुबह लगभग 7 बजे जब बच्चा खेल रहा था,खेलते खेलते उसने मोबाइल चार्जर की लीड को पकड़ लिया जिससे मोबाइल चार्ज की लीड बिजली के ब्रोई सहित नीचे गिरी जिसके करंट की चपेट में आकर वह बेहोश हो गया परिजन तत्काल ही उसे पर्वई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पर्वई पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।



जल जीवन मिशन के अन्तर्गत स्वीकृत पुनरीक्षित एकल ग्राम नल जल योजना का कार्य पूर्ण कर ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। विधायक मरुगंज प्रदीप पटेल की उपस्थिति में मरुगंज जनपद के ग्राम देवरी शिवमंगल सिंह में एकल ग्राम नल जल योजना ग्राम पंचायत को हस्तारित की गयी।



मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत तिरुपति-श्रीकालहस्ती यात्रा के लिए ट्रेन 12 अक्टूबर को रवाना होगी, आवेदन 23 सितंबर तक आमंत्रित

मरुगंज

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत तिरुपति - श्रीकालहस्ती के लिए रीवा से स्पेशल ट्रेन 12 अक्टूबर को रवाना होगी। तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन 23 सितंबर तक प्राप्त किए जाएंगे। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

कलेक्टर संजय कुमार जैन ने बताया कि ऐसे वरिष्ठ नागरिक जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है, (महिलाओं के लिए दो वर्ष की छूट) तथा जो आयकर दाता नहीं हैं, को प्रदेश के भीतर एवं बाहर स्थित विभिन्न अधिसूचित तीर्थ स्थलों की यात्रा कराए जाने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के प्रावधानों के तहत 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति जो अकेले यात्रा करने के लिए आवेदन करते हैं उन्हें एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी। इसके अतिरिक्त 3 से 5 व्यक्तियों के समूह (जहां सभी सदस्य 65 वर्ष से अधिक आयु के हों) को एक सहायक ले जाने की अनुमति होगी। (जबकि पति पत्नी के साथ यात्रा करने की स्थिति में सहायक की अनुमति नहीं होगी। सहायक का संबंधी होना अनिवार्य नहीं है।

कलेक्टर कार्यालय की धर्मस्व शाखा के अनुसार तिरुपति - श्रीकालहस्ती की तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों

को आवेदन दो प्रतियों में देने होंगे। आवेदन संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी या संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कार्यालय में जमा किये जा सकेंगे।

आवेदन पत्र के साथ मूल निवासी के प्रमाण हेतु राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, विद्युत देयक, मतदाता पहचान पत्र एवं शस्त्र लायसेंस में से कोई एक अथवा ऐसा प्रमाण संलग्न करना होगा जो शासन द्वारा स्वीकार्य हो। इसके साथ ही आधार कार्ड की छायाप्रति एवं नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज के फोटो भी आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि तीर्थ यात्रा पोर्टल के माध्यम से

ही दर्ज किए जाए तथा किसी अन्य माध्यम जैसे व्हाट्सएप आदि से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा है कि 23 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक समस्त आवेदनों की प्रविष्टि पोर्टल पर पूर्ण कर ली जाए। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदकों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। आवेदकों को समस्त जानकारी जैसे नाम, आधार क्रमांक, मोबाइल नंबर, पूर्ण पता आदि का सत्यापन करते हुए पोर्टल पर प्रविष्टि की जाए। ऐसे आवेदक जिन्होंने पूर्व में योजना का लाभ प्राप्त कर लिया है उनके आवेदन स्वीकार नहीं किए जाए।

तीर्थयात्रियों के पंजीयन के लिए लिंक जारी

रीवा। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना से जिले के वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थयात्रा कराने के लिए रीवा से 12 अक्टूबर को तीर्थदर्शन ट्रेन तिरुपति-श्रीकालहस्ती के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन 18 अक्टूबर को वापस आएगी। इस संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि पात्र वरिष्ठ नागरिकों का तीर्थयात्रा के लिए पंजीयन 23 सितम्बर तक किया जाएगा। पंजीयन के लिए नगर निगम रीवा, सभी नगरीय निकाय, तहसील कार्यालय एवं जनपद पंचायतों को लिंक जारी कर दी गई है। डीपीएमएस डॉट एमपी डॉट एनआईसी डॉट इन पोर्टल में उपलब्ध लिंक पर संबंधित अधिकारी तीर्थयात्रियों का पंजीयन कराए।

सेवा संकल्प अभियान में उपलब्धियों का करें प्रचार-प्रसार : कलेक्टर

रीवा

जिले भर में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के प्रथम दिन विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के घरों में आशीर्वाद का दीप जलाकर अभियान का शुभारंभ होगा। अभियान के दौरान 17 अक्टूबर तक 13 तरह की गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रम जिले भर में आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी कार्यालय प्रमुखों को सेवा संकल्प अभियान के दौरान विभागीय उपलब्धियों और विकास

कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि सभी कार्यालय प्रमुख विभागीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को कम से कम 10 वीडियो वाइट जनसम्पर्क कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

इसी तरह बड़े विकास कार्यों और हितग्राहियों की सफलता को कम से कम 15 कहानियाँ भी अच्छे फोटोग्राफ्स के साथ जनसंपर्क कार्यालय को उपलब्ध कराएं। सड़क, पुल, नल-जल योजना, फ्लाईओवर, नहरें, बड़े अस्पताल भवन, सांदीपनि विद्यालय तथा अन्य बड़े निर्माण कार्यों से विकास को गति मिली है। रीवा एयरपोर्ट

के निर्माण से रीवा से पाँच स्थानों के लिए सीधी विमान सेवा उपलब्ध हो गई है। इन उपलब्धियों और बदलावों के संबंध में भी विवरण जनसम्पर्क कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

विकास कार्यों से जुड़ी सकारात्मक कहानियाँ, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से तैयार कराकर जनसम्पर्क कार्यालय को उपलब्ध कराएँ जिससे इनका सोशल, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समुचित प्रचार-प्रसार किया जा सके। जिला जनसम्पर्क अधिकारी विभिन्न विभागों से प्राप्त जानकारीयों के आधार पर जिले का डेटा बैंक तैयार करें।

विधायक पटेल की उपस्थिति में ग्राम नल जल योजना ग्राम पंचायत को हस्तांतरित की गयी

मरुगंज। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत स्वीकृत पुनरीक्षित एकल ग्राम नल जल योजना का कार्य पूर्ण कर ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। विधायक मरुगंज श्री प्रदीप पटेल की उपस्थिति में मरुगंज जनपद के ग्राम

देवरी शिवमंगल सिंह में एकल ग्राम नल जल योजना ग्राम पंचायत को हस्तांतरित की गयी। इस अवसर पर विधायक श्री पटेल ने कहा कि जल महोत्सव कार्यक्रम के तहत यह आयोजन ग्रामवासियों के लिए बड़ी सौगात है। अब उन्हें नल के माध्यम से

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने लगेगा। विधायक श्री पटेल ने इस अवसर पर पेयजल का स्वाद भी चखा। कार्यक्रम में सीईओ जनपद मरुगंज परमानंद तिवारी, कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचायत उप निर्वाचन 2026 के लिए जिले के लिए प्रेक्षक नियुक्त

मरुगंज। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा क्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन-2026 (पूर्वाद्ध) के लिए निर्वाचन कार्यक्रम घोषित किया गया है। आयोग द्वारा मरुगंज जिले के लिए सेवानिवृत्त राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी श्री शैलेन्द्र खरे को निर्वाचन प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

फार्मर रजिस्ट्री कराने पर ही मिलेगा समर्थन मूल्य में उपार्जन का मौका : कलेक्टर

रीवा। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए शासन द्वारा किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन के लिए किसानों का ऑनलाइन पंजीयन होना आवश्यक है। ऑनलाइन पंजीयन 15 सितम्बर से 10

अक्टूबर तक किया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि किसान ग्राम पंचायत कार्यालय के सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, सहकारी समितियों एवं खरीदी केन्द्रों में निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। एमपी किसान एप अपने

एन्ड्रायड मोबाइल पर डाउनलोड करके किसान स्वयं पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा किसान एमपी ऑनलाइन क्रियोस्क सेंटर, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे में 50 रुपये का शुल्क तथा आवश्यक दस्तावेज देकर 10

अक्टूबर तक उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान के उपार्जन का लाभ लेने के लिए किसानों को फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य है। फार्मर रजिस्ट्री कराने पर ही धान उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन होगा।

आत्मविश्वास का साथ आत्मनिर्भरता की राह

अब तक
लाइली बहनों को
₹65,300 करोड़+
की सहायता का अंतरण

1.25 करोड़+ लाइली बहनों को ₹1835 करोड़+ का अंतरण

मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा

विकास कार्यों का
भूमिपूजन एवं लोकार्पण

13 सितम्बर, 2026 । आगर मालवा, मध्यप्रदेश

आत्मनिर्भरता के लिए QR को स्कैन करें

सीधा प्रसारण

Webcast.gov.in/mp/cmevents

@Cmmadhyapradesh
 @Cmmadhyapradesh
 jansamparkMP

आत्मनिर्भरता के लिए QR को स्कैन करें

D-11111/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी